वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष:6 | अंक: 23 | मंगलवार 23 जून 2026 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

गुलाबी नगरी जयपुर की शान अल्बर्ट हॉल, हर शाम अपनी जगमगाती आभा से इतिहास को जीवंत कर देता है। इसकी भव्य वास्तुकला और सुनहरी रोशनी, विरासत और सौंदर्य का अद्भुत संगम प्रस्तुत करती है। यह केवल एक इमारत नहीं, बल्कि राजस्थान की समृद्ध संस्कृति और शाही गौरव की अमिट पहचान है और जब गुलाबी नगरी का मौसम करवट लेता है। उमड़ते-घुमड़ते बादल इस इमारत के ऊपर आते हैं तो ये उन बादलों की छांव में एक अलग आभा बिखेरता है।

मुख्यमंत्री निवास पर जिला घरेलू उत्पाद अनुमान विषय पर बैठक आयोजित

विकसित भारत के संकल्प में अग्रणी भूमिका निभा रहा राजस्थान : भजनलाल

राज्य सरकार जिला आधारित विकास मॉडल को प्राथमिकता देते हुए योजनाबद्ध तरीके से कार्य कर रही

राज्य सरकार की उद्योग, निवेश और सुशासन आधारित नीतियों के कारण बड़े पैमाने पर निवेश आकर्षित हो रहा

जयपुर. शाबाश इंडिया

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि विकसित भारत 2047 के संकल्प को साकार करने में राजस्थान अपनी अग्रणी भूमिका निभा रहा है। इसके लिए राज्य सरकार जिला आधारित विकास मॉडल को प्राथमिकता देते हुए योजनाबद्ध तरीके से कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि राज्य के प्रत्येक जिले की विशिष्ट पहचान, स्थानीय संसाधनों और आर्थिक संभावनाओं को केंद्र में रखकर विकास की नई अवधारणा विकसित की जा रही है, ताकि प्रदेश की अर्थव्यवस्था को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया जा सके। मुख्यमंत्री सोमवार को मुख्यमंत्री निवास पर नीति आयोग के सदस्य प्रोफेसर के. वी. राजू की उपस्थिति में जिला घरेलू उत्पाद अनुमान विषय पर आयोजित बैठक को संबोधित कर रहे थे।

स्थानीय उत्पाद को मिल रही पहचान

प्रो. के.वी. राजू ने बताया कि राज्य सरकार असंगठित क्षेत्र उद्यमों के वार्षिक सर्वेक्षण पर गंभीरता से कार्य कर रही है। इससे चूरू के हस्तशिल्प उद्योग, भरतपुर के सरसों आधारित छोटे उद्यम तथा बांसवाड़ा एवं उदयपुर के आदिवासी क्षेत्रों में निर्मित पारंपरिक जनजातीय उत्पादों जैसे असंगठित क्षेत्र में कार्यरत उद्यमों को संगठित अर्थव्यवस्था का हिस्सा बनने का अवसर मिल रहा है। साथ ही, उनकी आर्थिक गतिविधियों का योगदान राज्य के सकल घरेलू उत्पाद में भी परिलक्षित हो रहा है। इसके अतिरिक्त उन्हें विभिन्न सरकारी योजनाओं एवं वित्तीय सहायता कार्यक्रमों का लाभ भी प्राप्त हो रहा है। राजस्थान में पंच गौरव के अंतर्गत जिला आधारित उपज, उत्पाद, वनस्पति, खेल व पर्यटन में नवाचार किए जा रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार की उद्योग, निवेश और सुशासन आधारित नीतियों के कारण बड़े पैमाने पर निवेश आकर्षित हो रहा है। प्रदेश का स्टार्टअप इकोसिस्टम भी तेजी से विकसित हो रहा है तथा वर्तमान में 6 हजार से अधिक सक्रिय स्टार्टअप्स युवाओं को रोजगार और नवाचार के नए अवसर प्रदान कर रहे हैं।

राज्य सरकार की सराहना

प्रो. के.वी. राजू ने राज्य सरकार की सराहना करते हुए कहा कि राजस्थान अचीवर्स श्रेणी का प्रदेश है और यहां पेयजल, ग्रामीण विकास से संबंधित योजनाओं में अच्छा कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि राजस्थान में पर्यटन, कृषि, खनन और सौर ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में असीम संभावनाएं है। उच्च तकनीक आधारित डेटाबेस तैयार कर इन क्षेत्रों को जीएसडीपी में शामिल किया जा सकता है। उन्होंने योजनाओं की सतत मॉनिटरिंग के साथ क्षमता संवर्धन करने एवं असंगठित क्षेत्र में सर्वे हेतु सैंपल साइज बढ़ाने पर भी जोर दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के वोकल फॉर लोकल विजन को साकार करते हुए प्रदेश में भौगोलिक परिस्थितियों, सांस्कृतिक विशेषताओं, स्थानीय आवश्यकताओं एवं संभावनाओं के आधार पर आकांक्षी उपखण्डों का समग्र विकास सुनिश्चित किया जा रहा है।

जैसे पिता, वैसे ही पुत्र

डॉ. विजय गर्ग (सेवानिवृत्त प्रिंसिपल) और डॉ. अंकुश गर्ग (एमडी) की प्रेरणादायक यात्रा

कहा जाता है कि बच्चे अपने माता-पिता की सबसे अनमोल विरासत होते हैं। वे केवल नाम और पहचान ही नहीं, बल्कि संस्कार, मूल्य और जीवन-दृष्टि भी उनसे प्राप्त करते हैं। जब कोई पिता अपने कर्म, समर्पण और समाज सेवा से आदर्श स्थापित करता है, तो उसकी सकारात्मक छाप अगली पीढ़ी में भी स्पष्ट रूप से दिखाई देती है। डॉ. विजय गर्ग और उनके पुत्र डॉ. अंकुश गर्ग की जीवन यात्रा इसी सत्य का प्रेरणादायक उदाहरण है। डॉ. विजय गर्ग ने अपना संपूर्ण जीवन शिक्षा जगत को समर्पित किया। एक शिक्षक से लेकर प्रिंसिपल बनने तक की उनकी यात्रा अनुशासन, परिश्रम और विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य के प्रति अटूट समर्पण से परिपूर्ण रही। उन्होंने केवल गुणवत्तापूर्ण शिक्षा ही नहीं दी, बल्कि छात्रों में नैतिक मूल्यों, सामाजिक उत्तरदायित्व और सकारात्मक सोच का भी विकास किया। सेवानिवृत्ति के बाद भी वे लेखन, सामाजिक जागरूकता और जनहित से जुड़े विषयों पर अपने विचारों के माध्यम से समाज का मार्गदर्शन कर रहे हैं। पिता के आदर्शों और संस्कारों से प्रेरित होकर उनके पुत्र डॉ. अंकुश गर्ग ने चिकित्सा क्षेत्र को अपनी कर्मभूमि बनाया। एमडी की उपाधि प्राप्त करने के बाद वे पूरी निष्ठा के साथ मरीजों की सेवा में समर्पित हैं। एक कुशल चिकित्सक के रूप में वे केवल रोगों का उपचार ही नहीं करते, बल्कि मरीजों को विश्वास, संवेदना और मानवीय सहानुभूति का भी अनुभव कराते हैं। चिकित्सा सेवा के प्रति उनकी प्रतिबद्धता उन्हें एक संवेदनशील और उत्कृष्ट डॉक्टर के रूप में स्थापित करती है। यद्यपि पिता और पुत्र के कार्यक्षेत्र अलग-अलग हैं, लेकिन दोनों का मूल उद्देश्य एक ही है—समाज की सेवा और लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाना। एक ने शिक्षा के माध्यम से हजारों विद्यार्थियों के भविष्य को संवारने का कार्य किया, तो दूसरे ने स्वास्थ्य सेवा के जरिए अनगिनत लोगों के जीवन में आशा और विश्वास का संचार किया। आज के समय में, जब सफलता का मूल्यांकन प्रायः केवल आर्थिक उपलब्धियों के आधार पर किया जाता है, डॉ. विजय गर्ग और डॉ. अंकुश गर्ग का जीवन यह संदेश देता है कि वास्तविक सफलता समाज के लिए उपयोगी बनने और मानवीय मूल्यों को जीने में निहित है। उनकी यात्रा यह भी सिद्ध करती है कि अच्छे संस्कार, कड़ी मेहनत और सेवा-भावना पीढ़ी दर पीढ़ी आगे बढ़ती है और समाज पर स्थायी प्रभाव छोड़ती है। डॉ. विजय गर्ग और डॉ. अंकुश गर्ग की यह प्रेरक कहानी इस बात का सशक्त प्रमाण है कि जब एक पीढ़ी अपने आदर्शों और कर्मों से मजबूत नींव तैयार करती है, तो अगली पीढ़ी उन्हीं मूल्यों को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाती है। वास्तव में, ह्लजैसे पिता, वैसे ही पुत्रह्न केवल एक कहावत नहीं, बल्कि उनके जीवन में साकार हुई एक जीवंत और प्रेरणादायक सच्चाई है।

इंदिरा गांधी नगर में धूमधाम से मनाया गया अंतरराष्ट्रीय योग दिवस

'करो योग, रहो निरोग' का दिया संदेश

जयपुर. शाबाश इंडिया। सर्व समाज सेवा समिति के सदस्य डॉ. अशोक दुबे ने बताया कि इंदिरा गांधी नगर सेक्टर-3/एमए स्थित पार्क में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस उत्साह और उल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर योग गुरु सुशीला गहलोत एवं पी.एस. गहलोत के मार्गदर्शन में कॉलोनीवासियों ने बढ़-चढ़कर योगाभ्यास किया। प्रतिभागियों ने नियमित रूप से योग को अपने दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने का संकल्प भी लिया, ताकि स्वस्थ और निरोग जीवन जीया जा सके। योग गुरुओं ने कहा कि योग का मुख्य उद्देश्य शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक स्वास्थ्य को सुदृढ़ बनाना है। नियमित योगाभ्यास से व्यक्ति तनावमुक्त रहकर संतुलित और स्वस्थ जीवन व्यतीत कर सकता है। कार्यक्रम में इंदिरा गांधी नगर के अनेक निवासी उपस्थित रहे और सभी ने 'करो योग, रहो निरोग' का संदेश जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया।

कोटा थर्मल में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर हुआ योगाभ्यास

अधिकारी-कर्मचारी और सीआईएसएफ जवान हुए शामिल

✍ आजाद शेरवानी

कोटा। कोटा थर्मल में 12वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर योगाभ्यास कार्यक्रम का आयोजन किया गया। थर्मल प्रशासन एवं केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) के संयुक्त तत्वावधान में थर्मल सामुदायिक भवन में कॉमन योग प्रोटोकॉल के तहत विशेष प्रशिक्षण सत्र आयोजित किया गया। कार्यक्रम में योग प्रशिक्षक ने उपस्थित अधिकारियों, कर्मचारियों एवं सीआईएसएफ जवानों को विभिन्न योगासन और प्राणायाम का अभ्यास कराया। साथ ही उन्होंने इस वर्ष की थीम ''योग फॉर हेल्दी एजिंग (स्वस्थ आयु के लिए योग)'' पर विस्तार से जानकारी देते हुए कहा कि केवल लंबी आयु ही नहीं, बल्कि स्वस्थ और गुणवत्तापूर्ण जीवन जीना भी उतना ही आवश्यक है। इस अवसर पर मुख्य अभियंता शिखा अग्रवाल ने कहा कि योग भारतीय संस्कृति की अमूल्य धरोहर है, जो तन, मन और आत्मा के बीच संतुलन स्थापित कर स्वस्थ एवं सकारात्मक जीवन की प्रेरणा देता है। उन्होंने स्वस्थ भारत और विकसित भारत के निर्माण के लिए सभी से योग को अपनी दैनिक दिनचर्या का हिस्सा बनाने का आह्वान किया। सीआईएसएफ के उप कमांडेंट टी. हॉकीप ने कहा कि योग एक प्रभावशाली जीवनशैली है, जो शरीर को ऊर्जा, मन को स्थिरता और व्यक्तित्व को मजबूती प्रदान करती है। उन्होंने कहा कि सीआईएसएफ के जवानों के लिए योग केवल शारीरिक फिटनेस का माध्यम नहीं, बल्कि कठिन परिस्थितियों में धैर्य, सतर्कता और आत्मविश्वास बनाए रखने का भी सशक्त साधन है। उन्होंने सभी को नियमित योग अपनाकर स्वस्थ, सशक्त और अनुशासित जीवन जीने का संदेश दिया। योग शिविर में मुख्य अभियंता शिखा अग्रवाल, अतिरिक्त मुख्य अभियंता शैलेन्द्र कुमार सिंह, सीआईएसएफ के डिप्टी कमांडेंट टी. हॉकीप, सहायक कमांडेंट बद्रीलाल मीणा, कार्मिक एवं प्रशासनिक अधिकारी हरिओम अवस्थी, उप मुख्य अभियंता आर.पी. मीणा, अशोक चालाना, अधीक्षण अभियंता सुभाष चौधरी, मलकीत सिंह पेन्सी, संजय जोशी, सुनीता जैन, प्रदीप बढ़ेसरा, अधिशासी अभियंता एन.के. शर्मा, महेन्द्र सिंह सोलंकी, तरुण खत्री सहित बड़ी संख्या में अधिकारी, कर्मचारी एवं सीआईएसएफ के जवान उपस्थित रहे।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर वीर ग्रुप ने आयोजित किया योग साधना शिविर

जयपुर. शाबाश इंडिया

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन, राजस्थान रीजन जयपुर के तत्वावधान में दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप वीर जयपुर द्वारा सन टू ह्यूमन एवं भारत विकास परिषद के संयुक्त सहयोग से मुरलीपुरा स्थित श्री राम हनुमान मंदिर पार्क में प्रातः 6:30 बजे से 7:30 बजे तक भव्य योग साधना शिविर का आयोजन किया गया।

वीर ग्रुप के अध्यक्ष डॉ. नीरज जैन एवं श्रीमती रेखा जैन ने बताया कि ''करो योग, रहो निरोग'' तथा 'स्वस्थ तन, स्वस्थ मन' के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से आयोजित इस शिविर में लगातार वर्षा के बावजूद महिलाओं, पुरुषों एवं बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। योग प्रशिक्षक श्री निक्की अग्रवाल ने उपस्थित योग साधकों को विभिन्न योगासन, प्राणायाम एवं स्वास्थ्यवर्धक क्रियाओं का अभ्यास कराया। उन्होंने योग के माध्यम से शारीरिक, मानसिक एवं आध्यात्मिक स्वास्थ्य को सुदृढ़ बनाने के महत्व पर भी विस्तार से प्रकाश डाला। इस अवसर पर भक्ति गीतों की मधुर धुनों पर आयोजित नृत्य योग ने प्रतिभागियों को विशेष आनंद और सकारात्मक ऊर्जा का अनुभव कराया। कार्यक्रम के समापन पर दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप वीर जयपुर की ओर से सभी योग साधकों को शीतल एवं स्वास्थ्यवर्धक छाछ का वितरण किया गया।

उपस्थित जनसमूह ने इस आयोजन की सराहना करते हुए इसे स्वास्थ्य जागरूकता, सामाजिक सहभागिता और योग के प्रचार-प्रसार की दिशा में एक प्रेरणादायक पहल बताया। पूरा योग शिविर उत्साह, ऊर्जा और सकारात्मक वातावरण से सराबोर रहा। अंत में सभी प्रतिभागियों ने नियमित रूप से योग को अपने दैनिक जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाने तथा स्वस्थ एवं संतुलित जीवनशैली अपनाने का संकल्प लिया।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर उपखंड स्तरीय योग कार्यक्रम आयोजित

कुचामन सिटी. शाबाश इंडिया। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर सूरजमल भोमराजका राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, कुचामन में उपखंड स्तरीय योग कार्यक्रम का आयोजन उत्साहपूर्वक किया गया। कार्यक्रम में योग अध्यापिका राजेन्द्री तालान एवं प्रहलाद शर्मा के सानिध्य में उपस्थित जनों ने सामूहिक योगाभ्यास कर स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का संकल्प लिया। इस अवसर पर ''करो योग, रहो निरोग'', ''घर-घर योग, भागे रोग'' तथा 'स्वस्थ वृद्धावस्था के लिए योग जरूरी' का संदेश दिया गया। योग प्रशिक्षकों ने नियमित योगाभ्यास के माध्यम से शारीरिक, मानसिक एवं आध्यात्मिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाए रखने की आवश्यकता पर बल दिया। कार्यक्रम में डॉ. प्रशांत तिवाड़ी, कुचामन विकास समिति के सचिव बनवारीलाल मोर, भाजपा नेता देवीलाल दादरवाल, प्रोफेसर रामेश्वर अग्रवाल सहित अनेक गणमान्य नागरिकों ने भाग लेकर योग किया और योग के प्रति लोगों को जागरूक किया। महावीर इंटरनेशनल संस्था की ओर से अध्यक्ष वीर रामावतार गोयल, सचिव वीर अजित पहाड़िया, वीर रतनलाल मेघवाल, वीर अशोक अजमेरा, वीर सुनील माथुर, वीर सम्पत बगड़िया एवं वीर बलराम प्रधान ने भी कार्यक्रम में सक्रिय सहभागिता निभाई। सभी ने नियमित योग को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने तथा समाज में स्वास्थ्य जागरूकता बढ़ाने का आह्वान किया। कार्यक्रम के दौरान योग के माध्यम से स्वस्थ जीवनशैली अपनाने, शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य को सुदृढ़ बनाने तथा समाज में सकारात्मक स्वास्थ्य संस्कृति विकसित करने का संदेश दिया गया। **-वीर सुभाष पहाड़िया**

महाविद्यालय में उत्साहपूर्वक मनाया गया अंतरराष्ट्रीय योग दिवस

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्री दिगम्बर जैन आचार्य संस्कृत महाविद्यालय में ज्योतिष वेदवेदांग संस्कृत संस्थानम्, जयपुर के संयुक्त तत्वावधान में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर योगाभ्यास सत्र का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में चन्द्रभान योगा एंड नेचुरोपैथी सेंटर से पधारे योग प्रशिक्षक चन्द्रभान ने महाविद्यालय के स्टाफ एवं उपस्थित प्रतिभागियों को विभिन्न योगासन एवं प्राणायाम का अभ्यास कराया। योगाभ्यास से पूर्व शरीर को सक्रिय एवं तैयार करने के लिए वार्म-अप व्यायाम करवाए गए। इसके पश्चात प्रतिभागियों ने सूर्य नमस्कार, प्राणायाम, अनुलोम-विलोम, शवासन, भुजंगासन, मकरासन सहित विभिन्न योग क्रियाओं का अभ्यास किया। योग के महत्व पर प्रकाश डालते हुए चन्द्रभान ने कहा कि नियमित योगाभ्यास न केवल शरीर को स्वस्थ और मजबूत बनाता है, बल्कि कार्यक्षमता, मानसिक एकाग्रता और जीवनशैली में भी सकारात्मक सुधार लाता है। उन्होंने बताया कि ताली बजाना भी एक प्रभावी व्यायाम है, जिससे शरीर में रक्त संचार बेहतर होता है और स्वास्थ्य को लाभ मिलता है। योग सत्र में अतिथि आचार्य कीर्ति शर्मा, भूपेन्द्र सोनी, मेघराज सोनी एवं छाया अग्रवाल ने भी सक्रिय सहभागिता निभाई। कार्यक्रम के अंत में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अनिल कुमार जैन ने सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए उनका आभार व्यक्त किया तथा नियमित योग को जीवन का अभिन्न अंग बनाने का संदेश दिया।

राजनीति

टेक्सटाइल सेक्टर को मजबूती देती सरकार

डॉ. जयंतीलाल भंडारी

भारत का टेक्सटाइल उद्योग देश की अर्थव्यवस्था का महत्वपूर्ण आधार है, जो 4.5 करोड़ से अधिक लोगों को रोजगार देता है और लगभग 174 अरब डॉलर के बाजार का प्रतिनिधित्व करता है। हाल के वर्षों में केंद्र सरकार ने इस क्षेत्र को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाने के लिए कई रणनीतिक कदम उठाए हैं। एक जून से 30 अक्टूबर तक कपास के आयात पर सीमा शुल्क पूरी तरह समाप्त करने का निर्णय भी इसी दिशा में महत्वपूर्ण पहल है, जिससे कच्चे माल की उपलब्धता बढ़ेगी और निर्यातकों को अंतरराष्ट्रीय बाजार में प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त मिलेगी। सरकार लगातार मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) में टेक्सटाइल क्षेत्र को प्राथमिकता दे रही है। भारत और ओमान के बीच लागू व्यापक आर्थिक भागीदारी समझौते (सीईपीए) के तहत ओमान ने भारतीय टेक्सटाइल सहित 99 प्रतिशत से अधिक उत्पादों पर आयात शुल्क समाप्त कर दिया है। इससे भारतीय वस्त्रों की कीमत प्रतिस्पर्धी होगी और आने वाले वर्षों में निर्यात में उल्लेखनीय वृद्धि की संभावना है। इसी प्रकार संयुक्त अरब अमीरात, ऑस्ट्रेलिया तथा यूरोपियन फ्री ट्रेड एसोसिएशन के देशों के साथ लागू समझौते भी भारतीय वस्त्र उद्योग के लिए नए अवसर लेकर आए हैं। ब्रिटेन, न्यूजीलैंड और यूरोपीय संघ के साथ प्रस्तावित समझौते इस क्षेत्र को और गति देंगे। टेक्सटाइल उद्योग को मजबूती देने में नए श्रम कानून भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। मजदूरी, औद्योगिक संबंध, सामाजिक सुरक्षा और व्यावसायिक सुरक्षा से जुड़ी नई श्रम संहिताओं के लागू होने से उद्योगों को सरल और आधुनिक कानूनी ढांचा मिला है। निश्चित अवधि के कर्मचारियों को स्थायी श्रमिकों के समान सुविधाएं तथा कम अवधि में ग्रेच्युटी का अधिकार मिलने से श्रमिकों का विश्वास बढ़ेगा। महिलाओं को रात्रि पाली में काम करने की अनुमति और कर्मचारी राज्य बीमा सुविधाओं का विस्तार भी उत्पादकता में सकारात्मक योगदान देगा। सरकार की पीएम मित्र पार्क योजना टेक्सटाइल क्षेत्र के लिए एक दूरदर्शी पहल है। सात मेगा इंटीग्रेटेड टेक्सटाइल पार्कों के माध्यम से उत्पादन, प्रसंस्करण और निर्यात को एकीकृत किया जा रहा है।

संपादकीय

परीक्षा व्यवस्था में विश्वसनीयता की बहाली

राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) द्वारा आयोजित नीट-यूजी 2026 की पुनर्परीक्षा 21 जून को देशभर में अभूतपूर्व सुरक्षा व्यवस्था के बीच शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई। मई में कथित पेपर लीक विवाद के कारण रद्द की गई मूल परीक्षा के बाद आयोजित यह पुनर्परीक्षा चिकित्सा शिक्षा में प्रवेश की तैयारी कर रहे लाखों विद्यार्थियों के भविष्य के लिए निर्णायक साबित होगी। इस परीक्षा ने केवल छात्रों की योग्यता की ही नहीं, बल्कि देश की परीक्षा

प्रणाली की विश्वसनीयता की भी परीक्षा ली। करीब 22 लाख अभ्यर्थियों ने 5,440 से अधिक परीक्षा केंद्रों पर परीक्षा दी, जिनमें विदेश स्थित केंद्र भी शामिल थे। सुरक्षा के लिहाज से इसे भारतीय परीक्षा इतिहास की सबसे सुदृढ़ व्यवस्थाओं में गिना जा सकता है। बायोमेट्रिक सत्यापन, एआई आधारित सीसीटीवी निगरानी, सिग्नल जैमर, मेटल डिटेक्टर, सख्त तलाशी और बहु-स्तरीय पुलिस-प्रशासनिक तैनाती ने किसी भी प्रकार की गड़बड़ी की आशंका को लगभग समाप्त कर दिया। प्रश्नपत्रों की सुरक्षित ढुलाई तथा केंद्रीय और राज्य सुरक्षा एजेंसियों के समन्वित प्रयासों ने पूरी प्रक्रिया को और मजबूत बनाया। परीक्षा से पहले छात्रों और अभिभावकों में व्याप्त चिंता को देखते हुए केंद्र सरकार और एनटीए ने व्यापक तैयारियां कीं। राज्यों के साथ समीक्षा बैठकें, मॉक ड्रिल और सख्त ड्रेस कोड लागू किए गए। कई केंद्रों पर मोबाइल, घड़ी या निर्धारित नियमों से अलग परिधान पहनने वाले अभ्यर्थियों को असुविधा का सामना करना पड़ा, लेकिन निष्पक्षता सुनिश्चित करने के लिए यह आवश्यक था। परीक्षा के बाद अधिकांश छात्रों ने राहत व्यक्त की कि इस बार किसी पेपर लीक या बड़ी अनियमितता की सूचना सामने नहीं आई, हालांकि कई अभ्यर्थियों ने विशेष रूप से फिजिक्स खंड को अपेक्षाकृत कठिन बताया। यह पुनर्परीक्षा परीक्षा प्रणाली में खोए विश्वास को पुनर्स्थापित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। पिछले वर्षों में पेपर लीक, ग्रेस मार्किंग और अन्य अनियमितताओं ने शिक्षा व्यवस्था पर गंभीर प्रश्नचिह्न लगाए थे। इस बार सरकार ने विभिन्न मंत्रालयों और एजेंसियों के समन्वित प्रयासों के माध्यम से व्यापक रणनीति अपनाई, जिसके सकारात्मक परिणाम स्पष्ट रूप से दिखाई दिए। फिर भी कुछ चुनौतियां बनी हुई हैं। जिन छात्रों ने पहली परीक्षा में अच्छा प्रदर्शन किया था, उन्हें दोबारा तैयारी करनी पड़ी, जिससे समय और मानसिक दबाव दोनों बढ़े। कुछ केंद्रों पर देर से पहुंचे अभ्यर्थियों को प्रवेश न मिलना नियमों की सख्ती तो दर्शाता है, लेकिन मानवीय परिस्थितियों पर भी विचार की आवश्यकता महसूस कराता है। भविष्य में डिजिटल तकनीकों, सुरक्षित प्रश्नपत्र प्रबंधन और पारदर्शी परीक्षा प्रणाली को और अधिक मजबूत बनाने की दिशा में ठोस कदम उठाने होंगे। नीट जैसी परीक्षाएं देश के भावी चिकित्सकों की गुणवत्ता तय करती हैं, इसलिए इनकी निष्पक्षता राष्ट्रीय महत्व का विषय है।

-राकेश जैन गोदिका

परिदृश्य

दल-बदल विरोधी कानून

डॉ. प्रियंका सौरभ

भारतीय लोकतंत्र की मजबूती केवल नियमित चुनावों पर नहीं, बल्कि निर्वाचित जनप्रतिनिधियों की जवाबदेही, राजनीतिक स्थिरता और जनादेश के सम्मान पर भी निर्भर करती है। लंबे समय तक भारतीय राजनीति में दल-बदल की बढ़ती प्रवृत्ति ने इन मूल्यों को चुनौती दी। व्यक्तिगत लाभ, मंत्री पद और राजनीतिक अवसरवाद के कारण सरकारें गिरती रहीं तथा मतदाताओं का विश्वास कमजोर हुआ। इसी समस्या से निपटने के लिए 1985 में संविधान के 52वें संशोधन के माध्यम से दसवीं अनुसूची के तहत दल-बदल विरोधी कानून लागू किया गया। इस कानून का उद्देश्य निर्वाचित सदस्यों को पार्टी के प्रति अनुशासित रखना और सरकारों की स्थिरता सुनिश्चित करना था। इसके अनुसार यदि कोई सांसद या विधायक स्वेच्छा से अपनी पार्टी छोड़ देता है या पार्टी व्हिप के विरुद्ध मतदान करता है अथवा मतदान से अनुपस्थित रहता है, तो उसे अयोग्य घोषित किया जा सकता है। स्वतंत्र और मनोनीत सदस्यों के लिए भी अलग प्रावधान किए गए हैं। इस कानून के समर्थकों का मानना है कि इसने राजनीतिक अस्थिरता पर काफी हद तक रोक लगाई है। 1967 के बाद ''आया राम, गया राम'' की राजनीति ने लोकतांत्रिक व्यवस्था को गहरा नुकसान पहुंचाया था। लगातार दल-बदल से सरकारें गिरती थीं और जनादेश का सम्मान प्रभावित होता था। ऐसे में यह कानून राजनीतिक भ्रष्टाचार और अवसरवादी राजनीति पर अंकुश लगाने का प्रभावी माध्यम बना। साथ ही यह मतदाताओं के विश्वास की रक्षा करता है, क्योंकि लोग अक्सर किसी उम्मीदवार को उसकी पार्टी और विचारधारा के आधार पर चुनते हैं। हालांकि समय के साथ इस कानून की कई सीमाएं भी सामने आई हैं। सबसे बड़ी आलोचना यह है कि यह सांसदों और विधायकों की स्वतंत्र अभिव्यक्ति तथा अंतरात्मा के आधार पर निर्णय लेने की क्षमता को सीमित करता है। संसदीय लोकतंत्र में जनप्रतिनिधियों से अपेक्षा की जाती है कि वे जनता के हितों और अपने विवेक के अनुसार निर्णय लें, लेकिन व्हिप की बाध्यता उन्हें पार्टी नेतृत्व के निर्देशों का पालन करने के लिए विवश कर देती है। इससे संसद और विधानसभाओं में स्वस्थ बहस की गुणवत्ता प्रभावित होती है। दूसरी महत्वपूर्ण समस्या अयोग्यता संबंधी निर्णयों से जुड़ी है। वर्तमान व्यवस्था में यह अधिकार अध्यक्ष या सभापति के पास होता है, जिनकी राजनीतिक निष्पक्षता पर कई बार सवाल उठते रहे हैं। अनेक मामलों में निर्णय लेने में देरी या पक्षपात के आरोप भी लगे हैं। इसके अलावा कानून ने दल-बदल को पूरी तरह समाप्त नहीं किया, बल्कि उसका स्वरूप बदल दिया है। अब कई जनप्रतिनिधि पहले इस्तीफा देकर और बाद में दूसरे दल से चुनाव लड़कर कानून की भावना को दरकिनार कर देते हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि इस कानून में सुधार की आवश्यकता है। व्हिप को केवल विश्वास मत, अविश्वास प्रस्ताव और वित्तीय मामलों जैसे महत्वपूर्ण विषयों तक सीमित किया जाना चाहिए, जबकि सामान्य विधायी मामलों में सदस्यों को स्वतंत्र मतदान की अनुमति मिलनी चाहिए। साथ ही अयोग्यता संबंधी निर्णय किसी स्वतंत्र न्यायिक निकाय या निर्वाचन आयोग को सौंपने पर भी विचार किया जा सकता है। स्पष्ट है कि दल-बदल विरोधी कानून को समाप्त करना व्यावहारिक समाधान नहीं होगा, क्योंकि यह राजनीतिक स्थिरता बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। लेकिन लोकतंत्र केवल स्थिर सरकार का नाम नहीं, बल्कि विचारों की स्वतंत्रता और असहमति का भी सम्मान करता है।

नि:शुल्क होम्योपैथिक चिकित्सा शिविर का आयोजन

आप सभी के उत्तम स्वास्थ्य एवं निरोग जीवन की कामना के साथ

जयपुर. शाबाश इंडिया। श्री दिगम्बर जैन मंदिर, यतियशोदानंदजी, 342, चौड़ा रास्ता, जयपुर स्थित आरोग्य केंद्र में 22 जून से 27 जून तक प्रतिदिन प्रातः 10:00 बजे से दोपहर 1:00 बजे तक नि:शुल्क होम्योपैथिक चिकित्सा शिविर आयोजित किया जा रहा है। इस शिविर में सभी प्रकार की सामान्य एवं दीर्घकालीन बीमारियों के लिए अनुभवी होम्योपैथिक चिकित्सकों द्वारा नि:शुल्क परामर्श एवं उपचार प्रदान किया जाएगा। साथ ही आवश्यक होम्योपैथिक औषधियाँ भी पूर्णतः नि:शुल्क उपलब्ध कराई जाएँगी। संस्था की ओर से सभी श्रद्धालुओं एवं आमजन से अपील की गई है कि वे इस जनकल्याणकारी स्वास्थ्य सेवा का अधिकतम लाभ उठाकर अपने तथा अपने परिवार के स्वास्थ्य को बेहतर बनाने का प्रयास करें। स्वस्थ रहें, निरोग रहें – आइए, इस नि:शुल्क चिकित्सा सेवा का लाभ उठाएँ।

दिगम्बर जैन महासमिति सांगानेर संभाग का 12वां अंतरराष्ट्रीय योग दिवस कार्यक्रम संपन्न

जयपुर-सांगानेर. शाबाश इंडिया। दिगम्बर जैन महासमिति, सांगानेर संभाग के तत्वावधान में 12वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर प्रतापनगर सेक्टर-3 स्थित प्रतापेश्वर महादेव मंदिर पार्क में सामूहिक योगाभ्यास कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का संचालन योग गुरु श्रीमती माया जैन (माहेश्वरी पब्लिक स्कूल) एवं योग विशेषज्ञ श्रीमती राजश्री जैन (इंटरनेशनल ऑनलाइन क्लासेज) के नेतृत्व में संगीतमय वातावरण में किया गया। योग कार्यक्रम में प्रतापनगर सेक्टर-3, सेक्टर-5, चौमूबाग सहित आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लिया। योगाभ्यास का शुभारंभ ''अर्हं योग'' से किया गया, जिसके पश्चात विभिन्न योगासन एवं प्राणायाम का अभ्यास कराया गया। संभाग अध्यक्ष कैलाशचन्द्र जैन मलैया ने कहा कि मन, वचन और काया के संतुलन के साथ किया गया योगाभ्यास व्यक्ति को शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक रूप से स्वस्थ बनाता है तथा इसके अभूतपूर्व सकारात्मक परिणाम देखने को मिलते हैं। कार्यक्रम संयोजक पवन कुमार जैन (निवाई वाले) ने कहा कि योग भारत की विश्व को अमूल्य देन है, जिसे अपनाकर स्वस्थ एवं संतुलित जीवन जिया जा सकता है। संभागीय मंत्री डॉ. अरविन्द कुमार जैन ने कहा कि योग केवल शारीरिक व्यायाम नहीं, बल्कि स्वस्थ जीवनशैली की एक महत्वपूर्ण प्रक्रिया है, जो व्यक्ति को तनावमुक्त और ऊर्जावान बनाए रखती है। इस अवसर पर योगाभ्यास का संचालन करने वाली श्रीमती माया जैन एवं श्रीमती राजश्री जैन का प्रतापनगर सेक्टर-5 मंदिर के मंत्री पवन कुमार जैन एवं उनकी धर्मपत्नी द्वारा अंगवस्त्र ओढ़ाकर तथा दिगम्बर जैन महासमिति, सांगानेर संभाग की ओर से स्मृति-चिह्न भेंट कर सम्मान किया गया। कार्यक्रम के अंत में सुरेन्द्र कुमार झांझरी ने सभी अतिथियों एवं प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया।

– डॉ. अरविन्द कुमार जैन
मंत्री, दिगम्बर जैन महासमिति, सांगानेर संभाग

ऐलनाबाद में एपेक्स वूमेन क्लब की स्थापना, नई कार्यकारिणी ने ली शपथ

ऐलनाबाद. शाबाश इंडिया

अंतरराष्ट्रीय सामाजिक संस्था एपेक्स क्लब की महिला इकाई के रूप में ऐलनाबाद में एपेक्स वूमेन क्लब की स्थापना की गई। इस अवसर पर स्थानीय शाही दावत होटल में भव्य इंस्टॉलेशन समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ भगवान श्रीगणेश की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन एवं एपेक्स आइडियल के सामूहिक गायन के साथ हुआ। क्लब की नवनियुक्त संरक्षक सरोज सोनी ने स्वागत गीत प्रस्तुत कर सभी अतिथियों एवं सदस्यों का अभिनंदन किया। इसके बाद डिस्ट्रिक्ट-5 के डिस्ट्रिक्ट गवर्नर डॉ. विशाल छाबड़ा ने संरक्षक सरोज सोनी, अध्यक्ष डॉ. प्रियंका संधू, सचिव सीमा धींगड़ा, कोषाध्यक्ष ममता सपरा सहित अन्य 25 सदस्यों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। कार्यक्रम का संचालन क्लब की नेशनल डायरेक्टर नीलम सोनी ने किया। उन्होंने नवगठित कार्यकारिणी के सदस्यों को लेपल पिन लगाकर एपेक्स परिवार में उनका स्वागत किया और संस्था के उद्देश्यों, कार्यप्रणाली एवं सामाजिक गतिविधियों की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने कहा कि समाज सेवा के क्षेत्र में महिलाओं की भागीदारी लगातार बढ़ रही है और यह क्लब ऐलनाबाद में सेवा, संस्कार, सामाजिक सरोकार तथा महिला सशक्तिकरण का नया अध्याय लिखेगा। समारोह में नेशनल लेडीज कोऑर्डिनेटर डॉ. जयश्री शर्मा एवं डिस्ट्रिक्ट लेडीज कोऑर्डिनेटर किरण गर्ग भी विशेष रूप से उपस्थित रहीं। क्लब अध्यक्ष डॉ. प्रियंका संधू, सचिव सीमा धींगड़ा एवं कोषाध्यक्ष ममता सपरा ने सभी अतिथियों और सदस्यों का आभार व्यक्त करते हुए विश्वास दिलाया कि वे पूरी निष्ठा, समर्पण और टीम भावना के साथ कार्य करते हुए क्लब को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने तथा समाज सेवा के विभिन्न क्षेत्रों में सक्रिय भूमिका निभाने का प्रयास करेंगी। उन्होंने कहा कि नेशनल डायरेक्टर नीलम सोनी ने उन्हें एपेक्स क्लब से जोड़कर सेवा का जो मंच प्रदान किया है, उसके लिए पूरी टीम सदैव उनकी आभारी रहेगी। कार्यक्रम के दौरान संस्था की ओर से अतिथियों को स्मृति-चिह्न भेंट कर सम्मानित किया गया। सभी सदस्यों ने एपेक्स क्लब की विचारधारा में विश्वास व्यक्त करते हुए समाज सेवा एवं जनकल्याण के कार्यों में सक्रिय सहभागिता निभाने का संकल्प लिया। राष्ट्रीय गान के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। इस अवसर पर फर्स्ट लेडी वैशाली छाबड़ा, वंशिता, गौरवी, राजेंद्र कौर, डॉ. साक्षी, इंदु, किरण, शालू सेतिया, अनीता कश्मीर, मीनू शेखर, मीनू अनेजा, प्रेमलता सहित अन्य अनेक सदस्य उपस्थित रहे।

जिन सहस्त्रनाम महार्चना विधान का हुआ भव्य आयोजन

विश्व शांति महायज्ञ में दी गई आहुतियां, 31 इंद्र-इंद्राणियों ने समर्पित किए 1008 अर्घ्य, गुरु भक्ति से अज्ञानी भी ज्ञानी बन जाता है : आर्यिका विज्ञा श्री

नवीन कुएं के जल से भगवान चंद्रप्रभु का अभिषेक एवं वृहद शांतिधारा सम्पन्न

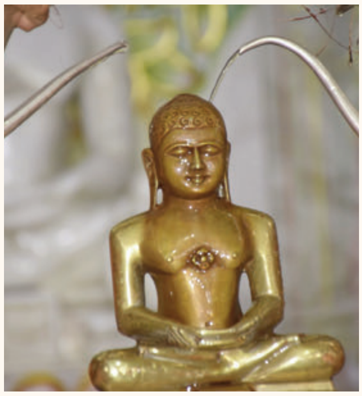

जयपुर. शाबाश इंडिया

चंद्रप्रभु दिगंबर जैन नसियां, तेरापंथियान, चतुर्भुज तालाब के पास, पुरानी टोंक में रविवार को परम पूज्य गणिनी आर्यिका विज्ञा श्री ससंघ के पावन सानिध्य में श्रद्धा और भक्ति के साथ जिन सहस्त्रनाम महार्चना विधान का आयोजन किया गया। प्रतीक जैन सेठी ने बताया कि पंडित राजीव शास्त्री के कुशल निर्देशन में सर्वप्रथम मंडप रचना, पांच मंगल कलश स्थापना, सकलीकरण, शुद्धिकरण, अभिषेक, रक्षीकरण, द्रव्य शुद्धि एवं जल शुद्धि सहित विभिन्न धार्मिक क्रियाएं संपन्न कराई गईं। वज्रपंजर रक्षा कवच के साथ सभी श्रद्धालुओं को मंत्रित किया गया। इसके पश्चात भक्तों ने भक्तिभाव से नवदेवता पूजन एवं सहस्त्रनाम पूजन किया। पूज्य गुरु मां के मुखारविंद से 1008 मंत्रों के पवित्र उच्चारण के बीच 11 शांतिधाराएं संपन्न हुईं। साथ ही 48 ऋद्धि मंत्रों का जाप एवं अर्घावली की गई। मंडल पर 1008 बादाम, 11 श्रीफल एवं 11 दीप अर्पित कर भगवान चंद्रप्रभु की स्तुति की गई। नवीन कुएं के जल से भगवान चंद्रप्रभु का अभिषेक एवं वृहद शांतिधारा भी संपन्न हुई। शांतिधारा से प्राप्त गंधोदक को श्रद्धालुओं ने मस्तक पर लगाकर आशीर्वाद प्राप्त किया। विधान में सौधर्म इंद्र कमलचंद-मधु बिलासपुरिया, यज्ञनायक अमित कुमार-बरखा बिलासपुरिया, कुबेर कैलाशचंद-विमला देवी जयपुरिया, ईशान महेंद्र कुमार-प्रेमलता पाटनी, निर्मल कुमार-अंजना देवी जयपुरिया, राकेश कुमार-तरुणा जैन सहित 31 इंद्र-इंद्राणियों एवं सैकड़ों श्रद्धालुओं ने भगवान चंद्रप्रभु की भक्तिभाव से पूजा-अर्चना की। इस अवसर पर गुरु मां के चरण प्रक्षालन एवं जिनवाणी भेंट करने का सौभाग्य कस्तूर देवी, कमल कुमार एवं विमल कुमार बिलासपुरिया परिवार को प्राप्त हुआ। धर्मसभा को संबोधित करते हुए आर्यिका विज्ञा श्री ने जिन सहस्त्रनाम के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि ''भक्ति ही मुक्ति का मार्ग प्रशस्त करती है। गुरु भक्ति से अज्ञानी भी ज्ञानी बन जाता है और पामर भी परमात्मा बनने की दिशा में अग्रसर होता है। जैसे जल की साधारण बूंद सीप की शरण में जाकर मोती बन जाती है, वैसे ही गुरु की शरण में आया जीव अनमोल बन जाता है।'' संगीता बिलासपुरिया ने बताया कि दोपहर में स्वाध्याय, सामायिक एवं तत्व चर्चा के कार्यक्रम आयोजित हुए। वहीं सायंकाल शंका समाधान, प्रश्न मंच एवं आनंद यात्रा का आयोजन किया गया। पूज्य गुरु मां ने अपने प्रवचनों में ध्यान की विधि एवं उसके आध्यात्मिक महत्व को विस्तार से समझाते हुए उपस्थित श्रद्धालुओं को नियमित ध्यान साधना के लिए प्रेरित किया।

ध्वनि से उपचार और योग से संतुलन का संदेश, जीतो लेडीज विंग ने मनाया अंतरराष्ट्रीय योग दिवस

भीलवाड़ा. शाबाश इंडिया

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 2026 के अवसर पर जीतो भीलवाड़ा चैप्टर लेडीज विंग द्वारा हेल्थ एवं न्यूट्रिशन वर्टिकल के अंतर्गत द ग्रीन्स क्लब हॉल में विशेष योग एवं ध्यान सत्र का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य 'ध्वनि से उपचार एवं योग से संतुलन' के माध्यम से स्वस्थ और संतुलित जीवनशैली को बढ़ावा देना था। कार्यक्रम की अध्यक्ष नीता बाबेल ने उपस्थित सदस्यों एवं योगाचार्य श्री गोकुल शर्मा का स्वागत करते हुए सभी का अभिनंदन किया। इसके पश्चात अर्चना पाटोदी ने कार्यक्रम की रूपरेखा एवं उद्देश्यों की जानकारी दी। योग, ध्वनि और स्वास्थ्य के समन्वय पर आधारित इस विशेष सत्र में साउंड बाथ हीलिंग, ध्यान एवं योग की मधुर तरंगों के माध्यम से प्रतिभागियों को मन, शरीर और आत्मा को नई ऊर्जा प्रदान करने का अनुभव कराया गया। कार्यक्रम का मुख्य विषय 'नाद योग-ध्वनि के माध्यम से उपचार' तथा 'योग के माध्यम से संतुलन' रहा, जिसके अंतर्गत उपस्थित प्रतिभागियों ने शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक स्वास्थ्य का अनुभव किया। सत्र के दौरान पर्यावरण एवं प्रकृति से जुड़ी विशेष ध्यान साधना भी करवाई गई। प्रतिभागियों को जंगलों की शांति, हरियाली, शुद्ध वातावरण और प्रकृति की सकारात्मक ऊर्जा का अनुभव कराते हुए पर्यावरण संरक्षण एवं प्रकृति के निकट रहने का संदेश दिया गया। इसके साथ ही सप्त चक्र ध्यान (सात चक्र ध्यान) का अभ्यास भी कराया गया, जिसमें शरीर के सातों ऊर्जा चक्रों पर ध्यान केंद्रित कर ऊर्जा संतुलन एवं मानसिक शांति का अनुभव कराया गया। इस साधना के माध्यम से प्रतिभागियों ने सकारात्मक ऊर्जा, भावनात्मक संतुलन, आंतरिक शांति एवं आध्यात्मिक जागरूकता का अनुभव किया। योग सत्र के दौरान तनाव मुक्ति, मानसिक स्पष्टता, सकारात्मक सोच और आंतरिक शांति के महत्व पर विशेष बल दिया गया। सभी सदस्यों एवं प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए कार्यक्रम की सराहना की। इस अवसर पर नीता बाबेल, अर्चना पाटोदी, जयवंती अजमेरा, मंजू पोखरना, अमिता बाबेल, रजनी सिंघवी, वनीता बाबेल, प्रीति जैन, सुनीता पाटनी, रचना मेहता, अंजुला डांगी, निधि सांड, अर्चना अग्रवाल, ज्योति आर्य, वीणा मोदी, रूपा परसरामपुरिया, रंजना गट्टानी एवं शकू मालानी सहित बड़ी संख्या में सदस्य उपस्थित रहीं। कार्यक्रम के समापन पर योगाचार्य श्री गोकुल शर्मा को स्मृति-चिह्न भेंट कर सम्मानित किया गया तथा आभार ज्ञापन के साथ समारोह का समापन हुआ।

– नीता बाबेल
चेयरपर्सन, जीतो भीलवाड़ा लेडीज विंग

विद्यासागर पाठशाला, दुर्गापुरा के ग्रीष्मकालीन संस्कार शिविर का सफल समापन

जयपुर. शाबाश इंडिया। विद्यासागर पाठशाला, दुर्गापुरा द्वारा आयोजित ग्रीष्मकालीन संस्कार शिविर का सफल समापन श्री चंद्रप्रभु जैन मंदिर परिसर में उत्साहपूर्ण एवं गरिमामय वातावरण के बीच संपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ श्री ताराचंद पोल्याका एवं श्री महावीर-संतोष चाँदवाड़ परिवार द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। इस अवसर पर अतिथियों ने अपने संबोधन में कहा कि इस प्रकार के संस्कार शिविर समय-समय पर आयोजित होते रहने चाहिए, ताकि बच्चों में धार्मिक एवं नैतिक मूल्यों का बीजारोपण हो तथा वे भारतीय संस्कृति एवं जैन धर्म के आदर्शों से जुड़ सकें। कार्यक्रम का मंगलाचरण कु. अविका जैन ने प्रस्तुत किया। पाठशाला के संरक्षक राजेंद्र काला एवं निर्देशिका पुष्पा सोगानी तथा चंदा सेठी के मार्गदर्शन में आयोजित इस शिविर को सफल बनाने में संयोजिका विमला पांड्या एवं शिखा जैन का विशेष योगदान रहा। कार्यक्रम का संचालन पंडित अजीत शास्त्री ने किया। उन्होंने शिविर की गतिविधियों की जानकारी देते हुए बताया कि शिविर में बच्चों को धार्मिक शिक्षा के साथ-साथ रंगोली, चित्रकला, नैतिक शिक्षा, प्रतिदिन मंदिर दर्शन तथा जैन धर्म से संबंधित विभिन्न संस्कारों एवं गतिविधियों का प्रशिक्षण दिया गया। प्रतिभा जैन द्वारा संचालित तत्वार्थ सूत्र की कक्षाओं को बच्चों एवं अभिभावकों ने विशेष रूप से सराहा। प्रतिभागियों ने कहा कि इन कक्षाओं के माध्यम से उन्हें जैन दर्शन को समझने का

अवसर मिला और भविष्य में भी इसी प्रकार ज्ञानार्जन की प्रेरणा मिलती रहेगी। शिविर के समापन अवसर पर आनंद अजमेरा एवं वर्षा अजमेरा परिवार की ओर से अल्पाहार की व्यवस्था की गई। वर्षा अजमेरा ने भी शिविर के आयोजन की सराहना करते हुए इसे बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए अत्यंत उपयोगी बताया। शिविर के दौरान आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को सम्मानित किया गया। मानवी, अविका, आदेव एवं याना ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि अन्य प्रतिभागियों ने द्वितीय एवं तृतीय स्थान हासिल कर अपनी प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। शिविर में भाग लेने वाले सभी बच्चों को पारितोषिक प्रदान किए गए तथा प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को विशेष उपहार देकर सम्मानित किया गया। अभिभावकों की ओर से राहुल कुमार जैन, राजेंद्र जैन, सुभाष गंगवाल एवं रेखा लुहाड़िया ने अपने विचार व्यक्त करते हुए पाठशाला द्वारा बच्चों में संस्कार निर्माण के लिए किए जा रहे प्रयासों की भूरि-भूरि प्रशंसा की। समापन समारोह में जैन समाज के अनेक गणमान्य नागरिक, विद्वान, समाजसेवी एवं प्रतिष्ठितजन उपस्थित रहे। सभी ने विद्यासागर पाठशाला द्वारा बच्चों में धार्मिक, नैतिक एवं सांस्कृतिक संस्कारों के संवर्धन हेतु किए जा रहे कार्यों की मुक्त कंठ से सराहना करते हुए साधुवाद व्यक्त किया।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर मंगलम प्लस मेडिसिटी हॉस्पिटल में भव्य योग कार्यक्रम संपन्न

100 से अधिक योग साधकों ने लिया भाग, ''करें योग-रहें निरोग'' का दिया संदेश

जयपुर. शाबाश इंडिया। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर मंगलम प्लस मेडिसिटी हॉस्पिटल की ओर से भारत विकास परिषद वैशाली शाखा एवं पिंक सिटी रनर्स क्लब के सहयोग से भव्य योग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में 100 से अधिक योग साधकों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता कर योग एवं स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का संदेश दिया। कार्यक्रम का शुभारंभ भारत विकास परिषद के वरिष्ठ सदस्य महेश मंगल द्वारा सभी अतिथियों एवं उपस्थित साधकों के स्वागत के साथ हुआ। उन्होंने अपने संबोधन में नियमित योगाभ्यास को स्वस्थ और

संतुलित जीवन का आधार बताते हुए इसे दैनिक दिनचर्या का हिस्सा बनाने का आह्वान किया। इस अवसर पर भारत विकास परिषद वैशाली शाखा के अध्यक्ष जी.एल. शर्मा, सचिव सी.आर. सेपट तथा विवेकानंद शाखा के सचिव हरिश गहलोत की विशेष उपस्थिति रही। वहीं पिंक सिटी रनर्स क्लब की ओर से अरुण एवं डॉ. नमित शर्मा ने भी कार्यक्रम में सक्रिय सहयोग प्रदान किया। योग सत्र का संचालन योग गुरु डॉ. कामिनी यादव एवं प्रमिला कंवर ने किया। उन्होंने प्रतिभागियों को विभिन्न योगासन एवं प्राणायाम का अभ्यास कराते हुए योग के शारीरिक, मानसिक एवं आध्यात्मिक लाभों की जानकारी दी तथा सभी को नियमित योग अपनाकर स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के दौरान डॉ. कामिनी यादव को एक माह तक निःशुल्क योग शिविर संचालित करने तथा योग के प्रचार-प्रसार में उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए विशेष रूप से सम्मानित किया गया। अंत में आयोजकों ने सभी योग साधकों, सहयोगी संस्थाओं एवं टीम सदस्यों का आभार व्यक्त करते हुए भविष्य में भी स्वास्थ्य जागरूकता एवं जनहित से जुड़े ऐसे आयोजन निरंतर आयोजित करने का संकल्प दोहराया। 'करें योग-रहें निरोग' के संदेश के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

महल योजना में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर योग शिविर संपन्न

जयपुर. शाबाश इंडिया। श्री मुनिसुव्रतनाथ फाउंडेशन जीव दया समिति के तत्वावधान में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर महल योजना में योग शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में क्षेत्रवासियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर योगाभ्यास किया और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का संकल्प लिया। समिति की अध्यक्ष मैना गंगवाल ने कहा कि ''स्वस्थ वृद्धावस्था के लिए योग'' के संकल्प के साथ आयोजित इस शिविर का उद्देश्य लोगों को नियमित योग के प्रति जागरूक करना है। उन्होंने बताया कि योग शारीरिक, मानसिक एवं आध्यात्मिक स्वास्थ्य को सुदृढ़ बनाने का प्रभावी माध्यम है। योग प्रशिक्षिका कुमुद गौड़ ने उपस्थित साधकों को विभिन्न योगासन एवं प्राणायाम का अभ्यास कराया। वहीं अर्हं इंटरनेशनल की साधिका सपना सांघी ने पंच मुद्रा एवं अर्हं नाद के माध्यम से प्रतिभागियों को ध्यान साधना कराई, जिससे उपस्थित जनसमूह ने आध्यात्मिक शांति और सकारात्मक ऊर्जा का अनुभव किया। कार्यक्रम के सफल समापन पर समन्वयक अभिषेक सांघी ने सभी अतिथियों, प्रशिक्षकों एवं साधकों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि दोनों साधिकाओं के मार्गदर्शन में पूरा वातावरण आध्यात्मिक एवं आत्मिक शांति की दिव्य ऊर्जा से सराबोर हो उठा। समिति के सचिव तोषी एवं कोषाध्यक्ष अंकित ने बताया कि शिविर को सफल बनाने में ऋतु नवीन, धीरेंद्र, नमन, नेहा, प्रीति, शिव, पिंकल, रुपेश, मुकेश, सविता, हेमंत, ज्योति, लोकेश, सुनीता, अंकिता, श्वेता एवं दीपा सहित सभी पदाधिकारियों, कार्यकताओं और क्षेत्रवासियों का महत्वपूर्ण योगदान रहा। सभी ने अनुशासित ढंग से सामूहिक योग एवं ध्यान सत्र में भाग लेकर आयोजन को सफल बनाया।

विद्यासागर विश्वविद्यालय में उत्साहपूर्वक मनाया गया अंतरराष्ट्रीय योग दिवस

स्वस्थ जीवनशैली और कार्यक्षमता को बढ़ाता है योग : प्रो. दीपक कुमार कर

मिदनापुर. शाबाश इंडिया

पश्चिम मिदनापुर स्थित प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थान विद्यासागर विश्वविद्यालय में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर प्रातः 6:30 बजे बड़े उत्साह और अनुशासित वातावरण में योग कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का आयोजन विश्वविद्यालय के एनएसएस सेल, स्पोर्ट्स ऑफिस एवं पतंजलि योग क्लब के संयुक्त तत्वावधान में किया गया। योग सत्र में लगभग 300 प्रतिभागियों ने सक्रिय रूप से हिस्सा लिया। इनमें छात्र-छात्राएं, प्राध्यापक, अधिकारी, गैर-शिक्षण कर्मचारी, एनएसएस स्वयंसेवक तथा विश्वविद्यालय परिवार के अन्य सदस्य शामिल रहे। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. दीपक कुमार कर, कुलसचिव डॉ. जयंत किशोर नंदी, एनएसएस प्रोग्राम कोऑर्डिनेटर प्रो. देबदुलाल बनर्जी, स्पोर्ट्स ऑफिसर सुभाष बारिक तथा पतंजलि योग क्लब के कोऑर्डिनेटर प्रो. ब्रज गोपाल बाग की गरिमामयी उपस्थिति रही। योग सत्र शांत, अनुशासित एवं उत्साहपूर्ण

वातावरण में संपन्न हुआ। योग मंत्रों एवं प्रार्थनाओं के सामूहिक उच्चारण ने प्रतिभागियों में सकारात्मक ऊर्जा, एकाग्रता और आध्यात्मिक चेतना का संचार किया। कार्यक्रम के दौरान शारीरिक दक्षता, मानसिक स्वास्थ्य और आंतरिक संतुलन बनाए रखने में योग की महत्वपूर्ण भूमिका पर विस्तार से प्रकाश डाला गया। सभा को संबोधित करते हुए कुलपति प्रो. दीपक कुमार कर ने छात्रों एवं कर्मचारियों से स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि नियमित योगाभ्यास न केवल शारीरिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाता है, बल्कि तनाव कम करने, मानसिक संतुलन बनाए रखने और कार्यक्षमता बढ़ाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उनके अनुसार योग व्यक्ति को संतुलित, सकारात्मक और रचनात्मक जीवन जीने की प्रेरणा देता है।

“एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य” के संदेश के साथ आईसीएआई ब्यावर शाखा ने मनाया अंतरराष्ट्रीय योग दिवस

योग के माध्यम से स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का दिया संदेश

ब्यावर. शाबाश इंडिया। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर द इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया (आईसीएआई) के हितग्राही योजनाएं निदेशालय एवं जनसंपर्क समिति के तत्वावधान में ब्यावर ब्रांच ऑफ सीआईआरसी ऑफ आईसीएआई द्वारा विनोद गार्डन, विनोद नगर में भव्य योग शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में शाखा के पदाधिकारियों, सदस्यों, विद्यार्थियों एवं उनके परिवारजनों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर योग के प्रति अपनी जागरूकता और प्रतिबद्धता का परिचय दिया। प्रातः 7 बजे शुरू हुए कार्यक्रम में योग प्रशिक्षक श्रीमती खुशबू जैन ने प्रतिभागियों को विभिन्न योगासन, प्राणायाम, ध्यान एवं शारीरिक व्यायाम का अभ्यास कराया। उन्होंने योग के वैज्ञानिक एवं व्यावहारिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि नियमित योगाभ्यास से व्यक्ति न केवल शारीरिक रूप से स्वस्थ रहता है, बल्कि मानसिक तनाव, चिंता और अवसाद जैसी समस्याओं से भी दूर रह सकता है। उन्होंने सभी को प्रतिदिन योग करने एवं स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का संकल्प दिलाया। इस अवसर पर ब्यावर शाखा के सचिव सीए अंकुर गोयल ने कहा कि योग भारत की प्राचीन संस्कृति की अमूल्य धरोहर है, जिसे आज पूरा विश्व अपना रहा है।

उन्होंने कहा कि वर्तमान प्रतिस्पर्धात्मक और तनावपूर्ण जीवनशैली में योग ही ऐसा माध्यम है, जो व्यक्ति को शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक रूप से संतुलित बनाए रखता है। उन्होंने सभी सदस्यों एवं विद्यार्थियों से योग को अपनी दैनिक दिनचर्या का अभिन्न हिस्सा बनाने का आह्वान किया। कार्यक्रम में उपाध्यक्ष सीए अभास हलाखंडी, कोषाध्यक्ष सीए आशय छल्लानी, सिकासा चेयरमैन सीए अमित सुराणा सहित शाखा के पदाधिकारी उपस्थित रहे। इसके अलावा सीए आर.सी. गोयल, सीए आर.के. ओस्तवाल, सीए एस.एस. गुप्ता, सीए एस.एन. शर्मा, सीए अजय शर्मा, सीए संजय अग्रवाल, सीए राकेश बंसल, सीए दीपक काकाणी, सीए नंदिनी गोयल एवं सीए महिमा छल्लानी सहित बड़ी संख्या में चार्टर्ड अकाउंटेंट्स, विद्यार्थियों एवं उनके परिवारजनों ने योगाभ्यास में भाग लिया। योग सत्र के दौरान प्रतिभागियों ने सूर्य नमस्कार, अनुलोम-विलोम, कपालभाति, भ्रामरी एवं ध्यान सहित विभिन्न योग क्रियाओं का अभ्यास किया। शांत एवं सकारात्मक वातावरण में आयोजित इस कार्यक्रम ने सभी उपस्थितजनों को ऊर्जा, उत्साह और आत्मिक शांति का अनुभव कराया। विशेष रूप से युवाओं और विद्यार्थियों की सक्रिय भागीदारी आकर्षण का केंद्र रही। कार्यक्रम के समापन पर प्रतिभागियों के लिए पौष्टिक नाश्ते की व्यवस्था की गई। उपस्थित सदस्यों ने ब्यावर शाखा द्वारा समय-समय पर आयोजित सामाजिक एवं स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रमों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन समाज में स्वास्थ्य चेतना बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कार्यक्रम के अंत में शाखा पदाधिकारियों ने सभी प्रतिभागियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ''योग केवल एक दिन का आयोजन नहीं, बल्कि स्वस्थ, सुखी और सफल जीवन का आधार है।'' उन्होंने सभी से नियमित योगाभ्यास कर स्वस्थ एवं संतुलित जीवनशैली अपनाने का आह्वान किया।

योग की ऊर्जा से सराबोर हुआ ब्यावर, तीन संस्थाओं ने दिया स्वस्थ भारत का संदेश

ब्यावर. शाबाश इंडिया। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 2026 के अवसर पर जेएसजी सनशाइन संगिनी, जीतो लेडीज विंग एवं जेसीआई लेडीज विंग के संयुक्त तत्वावधान में राका जी की बगीची में भव्य योग शिविर का आयोजन किया गया। प्रातःकालीन वातावरण योग, प्राणायाम और सकारात्मक ऊर्जा से सराबोर रहा। बड़ी संख्या में महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर योगाभ्यास किया तथा स्वस्थ एवं संतुलित जीवनशैली अपनाने का संकल्प लिया। योग प्रशिक्षक सुमिता बाबेल ने प्रतिभागियों को विभिन्न योगासन, प्राणायाम एवं ध्यान का अभ्यास कराया तथा योग के शारीरिक, मानसिक एवं आध्यात्मिक लाभों की विस्तृत जानकारी दी। वहीं वेलनेस कोच पिंकी जैन ने ऊर्जावान जुम्बा वर्कआउट के माध्यम से प्रतिभागियों को फिटनेस का अनुभव कराया। उन्होंने संतुलित दिनचर्या, पौष्टिक आहार एवं नियमित योग के महत्व पर भी प्रेरक विचार व्यक्त

कार्यक्रम में जीतो लेडीज विंग की अध्यक्ष रेनू छाजेड़ एवं जेसीआई लेडीज विंग की अध्यक्ष शिप्रा मोदी की विशेष उपस्थिति रही। तीनों संस्थाओं के संयुक्त प्रयास से आयोजित इस कार्यक्रम ने समाज में स्वास्थ्य जागरूकता, सामाजिक एकता और सकारात्मक जीवनशैली का प्रेरणादायी संदेश दिया।

किए। संगिनी अध्यक्ष सुमिता बाबेल ने कहा कि योग केवल व्यायाम नहीं, बल्कि स्वस्थ, सुखी और संतुलित जीवन जीने की श्रेष्ठ जीवनशैली है। नियमित योगाभ्यास से शरीर निरोग, मन शांत और जीवन ऊर्जावान बनता है। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम में जीतो लेडीज विंग की अध्यक्ष रेनू छाजेड़ एवं जेसीआई लेडीज विंग की अध्यक्ष शिप्रा मोदी की विशेष उपस्थिति रही। तीनों संस्थाओं के संयुक्त प्रयास से आयोजित इस कार्यक्रम ने समाज में स्वास्थ्य जागरूकता, सामाजिक एकता और सकारात्मक जीवनशैली का प्रेरणादायी संदेश दिया। कार्यक्रम के समापन पर सभी प्रतिभागियों ने नियमित योग करने, अपने परिवार को योग से जोड़ने तथा ''योग अपनाएँ-निरोगी जीवन पाएँ'' का संदेश जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया। इस अवसर पर कमलेश बंट, विनीता बुरड़, अरुणा मेहता, सीमा राका, शोभना मेहता, सुनीता बंब, अमिता नाहटा, शिप्रा मोदी, कुसुम बिनायकिया, रेखा खारीवाल, रानी मेहता, रंजना बाबेल, प्रीति देड़िया एवं प्रीति ओसतवाल सहित संस्था की अनेक सदस्याओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर योगाभ्यास किया और स्वस्थ, निरोगी एवं संतुलित जीवन का संदेश दिया।

महावीर इंटरनेशनल के तत्वावधान में तीन दिवसीय योग शिविर का भव्य समापन

जयपुर. शाबाश इंडिया

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर महावीर इंटरनेशनल के तत्वावधान में आयोजित तीन दिवसीय योग शिविर का समापन ब्रह्मानंद धाम में उत्साहपूर्ण वातावरण के बीच संपन्न हुआ। शिविर में लगभग 190 साधकों ने भाग लेकर योग, प्राणायाम एवं ध्यान का लाभ प्राप्त किया। शिविर में आर्ट ऑफ लिविंग के योग गुरु नरेश झवर ने स्वस्थ शरीर के लिए योग, प्राणशक्ति बढ़ाने हेतु प्राणायाम तथा मानसिक शांति एवं संतुलित जीवन के लिए ध्यान के महत्व पर विस्तार से जानकारी दी। वहीं उनके पुत्र हर्षित झवर ने सूर्य नमस्कार की विधि एवं उससे होने वाले लाभों की जानकारी देते हुए सभी साधकों को नियमित अभ्यास के लिए प्रेरित किया। प्रतिभागियों ने सूर्य नमस्कार को अपनी दैनिक दिनचर्या में शामिल करने का संकल्प लिया। योग गुरु नरेश झवर ने कहा कि समाजहित एवं सेवा कार्यों के लिए जब भी उनकी आवश्यकता होगी, वे सदैव तत्पर रहेंगे और जनकल्याण के कार्यों में अपना योगदान देते रहेंगे। समापन समारोह में संस्था के वीर सुशील छाजेड़ ने अपने विचार व्यक्त करते हुए योग गुरु नरेश झवर, हर्षित झवर, भामाशाह डॉ. बी.सी. सोढ़ी, वीरा नीलम सोढ़ी तथा कार्यक्रम के लिए ब्रह्मानंद धाम उपलब्ध कराने वाले अध्यक्ष गणपत सिंघल सहित सभी सहयोगियों का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर महावीर इंटरनेशनल की ओर से योग गुरु नरेश झवर एवं हर्षित झवर का माला, शॉल एवं साफा पहनाकर सम्मान किया गया तथा उन्हें सम्मान-पत्र भेंट किए गए। साथ ही डॉ. बी.सी. सोढ़ी एवं वीरा नीलम सोढ़ी का भी माला, शॉल एवं साफा पहनाकर अभिनंदन किया गया। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित अतिथियों, वीर-वीराओं एवं साधकों को एनर्जी ड्रिंक एवं अमूल दूध वितरित किया गया। वीर सुशील छाजेड़ ने सभी गणमान्य अतिथियों एवं उपस्थितजनों का धन्यवाद ज्ञापित करते हुए योग को स्वस्थ एवं सकारात्मक जीवन का आधार बताया। इस अवसर पर महावीर इंटरनेशनल मेन के चेयरमैन वीर सुनील सकलेचा, महावीर इंटरनेशनल यूनिक के चेयरमैन वीर राजेंद्र सुराना, महावीर इंटरनेशनल युवा के चेयरमैन वीर राजेश रांका, महावीर इंटरनेशनल डायमंड के चेयरमैन वीर सुशील छाजेड़, महावीर इंटरनेशनल डायमंड महिला विंग की अध्यक्ष वीरा संतोष बोहरा, कार्यक्रम संयोजक डॉ. बी.सी. सोढ़ी, वीरा नीलम सोढ़ी सहित अनेक वीर-वीराएं, गणमान्य नागरिक एवं साधक उपस्थित रहे।

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप गुलाबीनगर ने उत्साहपूर्वक मनाया अंतरराष्ट्रीय योग दिवस

जयपुर. शाबाश इंडिया

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप गुलाबीनगर की ओर से अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर एल. सैनी स्टेडियम, कावेरी पथ, मध्यम मार्ग, मानसरोवर में सामूहिक योग शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में बड़ी संख्या में सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर योगाभ्यास किया और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का संकल्प लिया। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि योग केवल एक व्यायाम नहीं, बल्कि शरीर, मन और आत्मा के समन्वय की एक प्राचीन साधना है। योग व्यक्ति को शारीरिक, मानसिक और बौद्धिक रूप से स्वस्थ रखने के साथ जीवन में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करता है। इसकी सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इसे बिना किसी विशेष साधन के हर आयु वर्ग का व्यक्ति सहज रूप से अपना सकता है और इसके लाभ प्राप्त कर सकता है। कार्यक्रम में फेडरेशन के राष्ट्रीय परामर्शक एवं ग्रुप के संस्थापक अनिल जैन (आईपीएस), फेडरेशन के राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष एवं ग्रुप के संरक्षक सुरेन्द्र जैन पांड्या, ग्रुप अध्यक्ष सुशीला बड़जात्या, रीजन अध्यक्ष सुनील बज, वरिष्ठ सलाहकार पदमचंद भावसा, सचिव महावीर पांड्या, कोषाध्यक्ष निर्मल सेठी, प्रकाश पाटनी, रमेश गुणमाला गंगवाल, महावीर-संतोष चाँदवाड़, विनोद झांझरी, विनोद बड़जात्या सहित अनेक सदस्यों ने योग शिविर में सहभागिता कर योग का लाभ उठाया। योग शिविर का संचालन प्रसिद्ध योग शक्ति की संचालिका डॉ. नविता जैन, श्रीमती रियाँ तथा मानसरोवर स्टेडियम की योग प्रशिक्षिका श्रीमती सुनीता जैन के नेतृत्व में किया गया। योगाभ्यास के साथ भक्ति गीतों पर आधारित नृत्य योग ने सभी साधकों को विशेष रूप से आकर्षित किया और कार्यक्रम में उत्साह का संचार किया। योग प्रशिक्षकों ने कहा कि नियमित योगाभ्यास शरीर और मस्तिष्क के बीच संतुलन स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यह तनाव कम करने, मानसिक शांति बनाए रखने तथा व्यक्ति को शारीरिक रूप से स्वस्थ और ऊर्जावान बनाने का प्रभावी माध्यम है। उन्होंने सभी से योग को अपनी दैनिक दिनचर्या का हिस्सा बनाने का आह्वान किया। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित सभी साधकों ने "योग करें, स्वस्थ एवं प्रसन्न रहें" का संदेश देते हुए नियमित योगाभ्यास करने और समाज में योग के प्रति जागरूकता फैलाने का संकल्प लिया।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर जैन सोशल ग्रुप्स ने दिया योग एवं स्वस्थ जीवनशैली का संदेश

जयपुर.शाबाश इंडिया। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर जैन सोशल ग्रुप इंटरनेशनल फेडरेशन, नॉर्दर्न रीजन के तत्वावधान में जैन सोशल ग्रुप महानगर एवं जैन सोशल ग्रुप अरिहंत द्वारा महावीर स्कूल परिसर में सामूहिक योग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विभिन्न जैन सोशल ग्रुप्स के सदस्यों ने बड़ी संख्या में भाग लेकर योग के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की। नॉर्दर्न रीजन के चेयरमैन राजीव पाटनी एवं सचिव रविन्द्र बिल्लाला ने बताया कि योग दिवस का उद्देश्य लोगों को स्वस्थ, संतुलित और तनावमुक्त जीवन के लिए प्रेरित करना है। उन्होंने कहा कि योग भारतीय संस्कृति की अमूल्य धरोहर है, जिसे प्रत्येक व्यक्ति को अपनी दैनिक दिनचर्या का हिस्सा बनाना चाहिए। कार्यक्रम के मुख्य संयोजक डॉ. राजीव जैन एवं अंजू जैन ने बताया कि योग प्रशिक्षक श्वेता जैन तथा लाइफ एंड फिटनेस कोच मनप्रीत कौर ने प्रतिभागियों को विभिन्न योगासन, प्राणायाम एवं जुम्बा गतिविधियों का अभ्यास कराया। साथ ही योग, फिटनेस और सक्रिय जीवनशैली के महत्व पर विस्तार से जानकारी देते हुए बताया कि नियमित योगाभ्यास एवं व्यायाम से शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य बेहतर होता है तथा व्यक्ति तनावमुक्त एवं ऊर्जावान रहता है। इस अवसर पर फेडरेशन एवं नॉर्दर्न रीजन के पदाधिकारी कमल संचेती, महेंद्र गिरधरवाल, प्रदीप जैन, सी.एस. जैन, संजय पंड्या, जी.पी. टोंग्या, सुभाष बज, तरुण जैन, वीरेंद्र गदिया, प्रेम सिंघवी एवं सुनील पहाड़िया सहित जैन सोशल ग्रुप महानगर के अध्यक्ष सुशील कासलीवाल, सचिव विनीत जैन तथा जैन सोशल ग्रुप अरिहंत के सचिव प्रतीक जैन सहित अनेक जेएसजीयन सदस्य उपस्थित रहे। योग कार्यक्रम के उपरांत फादर्स डे भी उत्साहपूर्वक मनाया गया। इस अवसर पर उपस्थित सदस्यों ने केक काटकर सभी पिताओं के प्रति सम्मान और कृतज्ञता व्यक्त की तथा उनके स्वस्थ एवं सुखद जीवन की कामना की। कार्यक्रम का समापन योग को जन-जन तक पहुंचाने, स्वस्थ जीवनशैली अपनाने और समाज में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने के सामूहिक संकल्प के साथ हुआ।

उड़ीसा में आयोजित शिक्षण शिविरों का हुआ भव्य समापन, पहली बार सराक जैन प्रतिभाओं का सम्मान

भुवनेश्वर. शाबाश इंडिया

परम पूज्य सराकोद्धारक आचार्य श्री ज्ञानसागर जी महाराज के 70वें अवतरण दिवस के उपलक्ष्य में आचार्य श्री ज्ञेयसागर जी महाराज, आर्यिका स्वस्ति भूषण माताजी, आर्यिका आर्ष मति माताजी एवं आर्यिका सुज्ञान मति माताजी की प्रेरणा एवं आशीर्वाद से उड़ीसा, झारखंड एवं पश्चिम बंगाल के विभिन्न क्षेत्रों में आयोजित ग्रीष्मकालीन ज्ञान संस्कार बाल शिक्षण शिविरों का भव्य समापन संपन्न हुआ। उड़ीसा प्रांत के भुवनेश्वर एवं पुरी जिले के विभिन्न स्थानों पर आयोजित शिविरों के समापन समारोह में ब्रह्मचारिणी मंजुला दीदी एवं ब्रह्मचारी मनीष भैया के निर्देशन में बच्चों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देकर सभी का मन मोह लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ आचार्य श्री ज्ञानसागर जी महाराज के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन एवं मंगलाचरण के साथ हुआ। इस अवसर पर स्थानीय शिविर सहयोगियों का सम्मान भी किया गया। शिविर के दौरान आयोजित ज्ञान दर्पण भाग-1 एवं भाग-2, पूजन प्रशिक्षण, मेहंदी, ड्राइंग और सिलाई प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय पुरस्कार प्रदान किए गए। साथ ही सभी शिविरार्थियों को सांत्वना पुरस्कार देकर प्रोत्साहित किया गया। पहली बार कक्षा 10वीं एवं 12वीं में उत्कृष्ट अंक प्राप्त करने वाले सराक जैन छात्र-छात्राओं को भी प्रमाण-पत्र, मेडल एवं स्मृति-चिह्न देकर सम्मानित किया गया। शिक्षण शिविरों के

सफल संचालन एवं अध्यापन कार्य में योगदान देने वाले शिविर मुख्य संयोजक मनीष शास्त्री विद्यार्थी सागर, सह-संयोजक पं. जयकुमार दुर्ग, पं. राजकुमार शास्त्री कर्द, पं. शिखर चंद्र जैन (भिलाई) एवं विदुषी बहन राखी जैन का भारतवर्षीय दिगंबर जैन सराक ट्रस्ट द्वारा सम्मान किया गया। जैनम फाउंडेशन, दिल्ली के सत्येंद्र जैन ने कहा कि ऐसे शिक्षण शिविर धर्म की प्रभावना के सशक्त माध्यम हैं और इनका नियमित आयोजन होना चाहिए। उन्होंने आगामी शीतकालीन शिविरों के लिए भी पूर्ण सहयोग देने का आश्वासन दिया। केंद्र कार्यकर्ता हेमंत जैन सराक ने कहा कि भविष्य के कार्यक्रमों को और अधिक सफल बनाने के लिए अभी से योजनाबद्ध तैयारी आवश्यक है। वहीं शिविर संयोजक मनीष शास्त्री विद्यार्थी सागर ने स्थानीय समाज के सहयोग को ऐसे आयोजनों की सफलता का आधार बताते हुए कहा कि सामूहिक सहभागिता से शीतकालीन शिविरों का भी भव्य आयोजन किया जाएगा। भारतवर्षीय दिगंबर जैन सराक ट्रस्ट, दिल्ली तथा पश्चिम बंगाल, झारखंड एवं उड़ीसा के स्थानीय सराक ट्रस्टों के संयुक्त सहयोग से आयोजित इन ज्ञान संस्कार बाल शिक्षण शिविरों का सफल समापन क्षेत्र में धार्मिक, सांस्कृतिक एवं नैतिक मूल्यों के संवर्धन की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल साबित हुआ।

मंगल विहार को मिला परम पूज्य आर्यिका अर्हमश्री माताजी के चातुर्मास का सौभाग्य, जयपुर में होगा पहला चातुर्मास

जयपुर.शाबाश इंडिया

मानसरोवर के न्यू सांगानेर रोड स्थित मांग्यावास के चौपड़ा मैरिज गार्डन में रविवार को आयोजित भव्य चातुर्मास उद्घोषणा समारोह में परम पूज्य आर्यिका अर्हमश्री माताजी ने वर्ष 2026 के चातुर्मास की घोषणा करते हुए गोपालपुरा मोड़ स्थित मंगल विहार जैन समाज को यह गौरवपूर्ण अवसर प्रदान किया। मंगल विहार में पहली बार किसी आर्यिका संघ का चातुर्मास आयोजित होगा। वहीं, यह परम पूज्य अर्हमश्री माताजी का भी राजधानी जयपुर में पहला चातुर्मास होगा। अखिल भारतीय दिगंबर जैन युवा एकता संघ के अध्यक्ष अभिषेक जैन बिट्टू ने बताया कि रविवार प्रातः 8 बजे से ही श्रद्धालुओं का आगमन प्रारंभ हो गया था। प्रातः 9:15 बजे गंगवाल परिवार द्वारा ध्वजारोहण के साथ समारोह का शुभारंभ हुआ। इसके पश्चात चित्र अनावरण, दीप प्रज्वलन, पाद प्रक्षालन एवं शास्त्र भेंट जैसी धार्मिक विधियां संपन्न कराई गईं। कार्यक्रम में बालिकाओं ने आकर्षक मंगलाचरण नृत्य प्रस्तुत कर वातावरण को भक्तिमय बना दिया। इस अवसर पर पूज्य माताजी की अष्टद्रव्य से गुरु पूजा संपन्न हुई, जिसमें मांग्यावास, वरुण पथ, हीरा पथ, त्रिवेणी नगर, मंगल विहार, जनकपुरी, प्रताप नगर, नागौर एवं दिल्ली जैन समाज के श्रद्धालुओं ने क्रमशः द्रव्य अर्पित कर पुण्य लाभ अर्जित किया। मंच संचालन जितेंद्र जैन 'जीतू' एवं पंडित प्रद्युम्न जैन ने किया। भजनों, मंत्रोच्चार एवं संगीतमय वातावरण के बीच पूजन कार्यक्रम संपन्न हुआ। इसके बाद चातुर्मास का सौभाग्य

प्राप्त करने की भावना से वरुण पथ, जनकपुरी, प्रताप नगर, हीरा पथ, मांग्यावास, चित्रकूट कॉलोनी, मधुवन कॉलोनी, नागौर, दिल्ली सहित विभिन्न क्षेत्रों की समाजों के प्रतिनिधियों एवं श्रद्धालुओं ने श्रीफल भेंट कर अपनी विनम्र अनुमोदना प्रस्तुत की। समारोह के समापन अवसर पर अपने मंगल प्रवचन में परम पूज्य आर्यिका अर्हमश्री माताजी ने वर्ष 2026 के चातुर्मास की घोषणा करते हुए मंगल विहार जैन समाज को यह सौभाग्य प्रदान किया। उन्होंने कहा कि यह चातुर्मास केवल मंगल विहार का नहीं, बल्कि संपूर्ण जयपुर जैन समाज का चातुर्मास है। धर्म की प्रभावना एवं युवाओं को संस्कारों के मार्ग पर अग्रसर करना ही चातुर्मास का मूल उद्देश्य है। इसलिए सभी क्षेत्रों के श्रद्धालु इसे अपना चातुर्मास मानकर सक्रिय सहभागिता निभाएं। माताजी ने कहा कि विभिन्न क्षेत्रों की समाजों ने चातुर्मास के लिए निवेदन किया था, किंतु चयन किसी एक स्थान का ही संभव था। मंगल विहार जैन समाज ने पहली बार चातुर्मास आयोजित करने का साहस और संकल्प दिखाया, जिसके परिणामस्वरूप उसे यह पुण्य अवसर प्राप्त हुआ। परम पूज्य माताजी के सान्निध्य में आयोजित पंचदिवसीय कार्यक्रम श्रद्धालुओं के लिए अत्यंत प्रेरणादायी, ज्ञानवर्धक एवं आध्यात्मिक ऊर्जा से परिपूर्ण रहा। उनके प्रवचनों एवं मार्गदर्शन से सैकड़ों श्रद्धालुओं ने आत्मकल्याण, संयम, स्वाध्याय एवं धर्म आराधना के संदेशों को आत्मसात किया। श्रद्धालुओं ने इसे केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि आत्मशुद्धि, सेवा, स्वाध्याय और साधना के माध्यम से अंतर्मन के जागरण का पावन अवसर बताते हुए इसे जीवन में उतारने का संकल्प व्यक्त किया।

अभिषेक जैन बिट्टू: अध्यक्ष, अखिल भारतीय दिगंबर जैन युवा एकता संघ, जयपुर

राजस्थान जैन साहित्य परिषद ने श्रुत पंचमी पर निकाली भव्य जिनवाणी रथ यात्रा

त्रिदिवसीय महोत्सव के तहत विचार गोष्ठी एवं श्रुत स्कन्ध विधान पूजन भी श्रद्धाभाव से संपन्न

जयपुर. शाबाश इंडिया

राजस्थान जैन साहित्य परिषद द्वारा ज्ञान आराधना दिवस श्रुत पंचमी के उपलक्ष्य में आयोजित त्रिदिवसीय महोत्सव के तीसरे दिन जौहरी बाजार स्थित बड़ा मंदिर से विशाल एवं भव्य जिनवाणी रथ यात्रा गाजे-बाजे और लवाजमे के साथ निकाली गई। परिषद के अध्यक्ष पदम जैन बिलाला ने बताया कि परिषद पिछले छह दशकों से इस रथ यात्रा का नियमित आयोजन करती आ रही है। रथ यात्रा को श्री महावीरजी अतिशय क्षेत्र के मानद मंत्री श्रेष्ठी उमरावमल सांघी ने ध्वज दिखाकर रवाना किया। यात्रा बड़ा मंदिर, दड़ा बाजार से प्रारंभ होकर विभिन्न मार्गों से होती हुई महावीर पार्क स्थित संघीजी के मंदिर पहुंची, जहां धर्मसभा का आयोजन किया गया। रथ यात्रा के दौरान मार्ग में आने वाले विभिन्न मंदिरों की समितियों एवं श्रुत साधकों ने जिनवाणी माता की मंगल आरती उतारकर श्रद्धाभाव से स्वागत किया। यात्रा में जयपुर की अनेक सामाजिक एवं धार्मिक संस्थाओं, महिला मंडलों तथा विभिन्न

संगठनों के प्रतिनिधियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इनमें राजस्थान जैन सभा के मनीष वैद एवं राखी जैन, युवा महासभा के प्रदीप लाला, महावीर स्कूल के सुनील बख्शी, पदमपुरा क्षेत्र के राजकुमार कोठारी, मंदिर महासंघ के विपिन बज, मुनि सेवा संघ के सतीश खंडाका, महिला समिति राजस्थान अंचल की शालिनी बाकलीवाल एवं विद्युत लुहाड़िया, चित्रकूट पाठशाला की अंजना जैन, जौहरी बाजार महिला मंडल की पुष्पा सोगानी, जयपुर महासभा के सुधीर बगड़ा, जैन बैंकर्स फोरम के राजेंद्र पापड़ीवाल, जैन पत्रकार महासंघ के उदयभान जैन, जनकपुरी समिति के बुद्धि प्रकाश छाबड़ा, टोडरमल स्मारक के हीराचंद वैद, नमोकार मंडल के हरकचंद जैन, वीर सेवक मंडल के मितेश ठोलिया तथा संस्कृत कॉलेज के महेशचंद्र चांदवाड़ सहित बड़ी संख्या में श्रुत साधक शामिल रहे। धर्मसभा का शुभारंभ मंगलाचरण एवं डॉ. राजकुमारी परिवार द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। परिषद के मंत्री महावीर चांदवाड़ एवं संयोजक रमेश गंगवाल ने बताया कि रथ यात्रा में श्रेष्ठी प्रद्युम्न पाटनी (सीए) ने सारथी तथा श्रुत सेवक छुट्टनलाल जैन ने विशेष भूमिका निभाई। धर्मसभा में मुख्य अतिथि श्रेष्ठी शांतीलाल गंगवाल (सीए) एवं विशिष्ट अतिथि अशोक खंडाका उपस्थित रहे। सभी अतिथियों का तिलक, माला, दुपट्टा एवं साफा पहनाकर सम्मान किया गया। इस अवसर पर जिनवाणी सजाओ प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया, जिसमें प्रथम तीन विजेताओं एवं रथ यात्रा में शामिल बच्चों को पुरस्कृत किया गया। धर्मसभा को निर्मल बोहरा, डॉ. माधुरी, डॉ. विमल जैन सहित मुख्य अतिथि, परिषद अध्यक्ष, मंत्री एवं संयोजक ने संबोधित करते हुए श्रुत ज्ञान के महत्व पर प्रकाश डाला। इसी क्रम में गुरुवार को जनकपुरी जैन मंदिर में श्रद्धा एवं भक्तिभाव के साथ श्रुत स्कन्ध विधान पूजन संपन्न हुआ। वहीं कीर्तिनगर जैन मंदिर में आयोजित विचार गोष्ठी में मुख्य वक्ता डॉ. कमलेश जैन ने श्रुत ज्ञान की महत्ता एवं उसके संरक्षण पर अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रमों में राजकुमार बिल्टीवाला, महेश चांदवाड़, प्रद्युम्न पाटनी, राजेंद्र पापड़ीवाल, हीराचंद वैद, योगेश टोडरका, सुदर्शन पाटनी, हरकचंद बड़जात्या, सुधीर लाली एवं उदयभान जैन सहित परिषद के अनेक पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे। अंत में परिषद अध्यक्ष पदम जैन बिलाला ने सभी अतिथियों एवं श्रद्धालुओं का आभार व्यक्त किया। धर्मसभा का समापन जिनवाणी स्तुति एवं अर्घ समर्पण के साथ श्रद्धापूर्वक संपन्न हुआ।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 12 वर्ष पूर्ण होने पर आयोजित हुआ "गौ सेवा महा सेवा" कार्यक्रम

जयपुर. शाबाश इंडिया

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में राष्ट्र सेवा के 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में भारतीय जनता पार्टी अल्पसंख्यक मोर्चा, राजस्थान के प्रदेश मंत्री प्रफुल्ल जैन के सानिध्य में स्थानीय गौशाला में भव्य ''गौ सेवा महा सेवा'' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जेएसजी गोल्डन परिवार एवं कार्यकर्ताओं ने गौ माता की सेवा एवं वंदना कर राष्ट्रहित, समाजहित और जीव दया का संदेश दिया। कार्यक्रम के दौरान गौ माता को 56 प्रकार के सात्विक भोग के रूप में विभिन्न फल एवं सब्जियां अर्पित की गईं। इसके साथ ही सवा क्विंटल लापसी का विशेष प्रसाद भी

समर्पित किया गया। गौशाला परिसर में आयोजित इस सेवा कार्यक्रम में बड़ी संख्या में गौभक्तों, समाजसेवियों एवं कार्यकर्ताओं ने सहभागिता कर गौ सेवा का पुण्य लाभ प्राप्त किया। इस अवसर पर प्रफुल्ल जैन ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 12 वर्षों के सेवा, समर्पण एवं जनकल्याणकारी कार्यकाल से प्रेरणा लेकर समाज सेवा, गौ सेवा और जीव दया जैसे कार्यों को निरंतर आगे बढ़ाना हम सभी का दायित्व है। उन्होंने कहा कि गौ माता भारतीय संस्कृति एवं सनातन परंपरा की आधारशिला हैं और उनकी सेवा से समाज में करुणा, संवेदना तथा धार्मिक मूल्यों का संवर्धन होता है। कार्यक्रम का समापन गौ आरती, प्रसाद वितरण एवं राष्ट्र की सुख-समृद्धि और जनकल्याण की मंगलकामनाओं के साथ हुआ। ''गौ सेवा-जीव दया ड्ड धर्म आराधना''

— प्रफुल्ल जैन
प्रदेश मंत्री, भारतीय जनता पार्टी अल्पसंख्यक मोर्चा, राजस्थान

जैन समाज की "मदर टेरेसा" डॉ. शीला जैन को श्रद्धांजलि सभा में दी गई भावभीनी विनयांजलि

जयपुर. शाबाश इंडिया

मानव सेवा, समाजसेवा एवं महिला उत्थान के लिए समर्पित श्री जौहरी बाजार दिगम्बर जैन महिला समिति की अध्यक्ष एवं प्रख्यात समाजसेविका डॉ. शीला जैन के आकस्मिक निधन पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करने एवं शोक संतप्त परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त करने के लिए भट्टारक जी की नसियां स्थित तोतूका सभागार में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। समिति की महामंत्री एडवोकेट पुष्पा सोगानी ने बताया कि जैन समाज की "मदर टेरेसा" कही जाने वाली डॉ. शीला जैन का व्यक्तित्व अत्यंत प्रेरणादायी एवं बहुआयामी था। उन्होंने जौहरी बाजार दिगम्बर जैन महिला समिति के माध्यम से जैन भोजनालय, संस्कार महिला उद्योग, वृद्धाश्रम सहित अनेक सेवा एवं जनकल्याणकारी गतिविधियों का सफल संचालन किया। प्रचार

मंत्री नीरा लुहाड़िया एवं डॉ. साधना गोदीका ने कहा कि डॉ. शीला जैन ने जयपुर सहित पूरे जैन समाज में अपनी विशिष्ट पहचान बनाई थी। वे वृद्धाश्रम एवं विभिन्न सेवा कार्यों में सदैव सक्रिय रहती थीं। उनका हंसमुख स्वभाव, विनम्र व्यक्तित्व एवं संत सेवा के प्रति समर्पण उन्हें समाज में मातृवत सम्मान दिलाता था। उनके आकस्मिक निधन से समाज को अपूरणीय क्षति हुई है। श्रद्धांजलि सभा में समिति की महामंत्री पुष्पा सोगानी सहित विभिन्न महिला मंडलों की सदस्याओं एवं उपस्थित समाजबंधुओं ने डॉ. शीला जैन के सामाजिक योगदान को स्मरण करते हुए भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान उपस्थित अनेक लोगों की आंखें नम हो गईं। सभा के दौरान समिति की कोषाध्यक्ष तरुणा संघी ने डॉ. शीला जैन की पावन स्मृति में दिगम्बर जैन संतों की आहारचर्या, वैयावृत्ति एवं सेवा-सुश्रूषा के लिए 5 लाख रुपये की अक्षय निधि स्थापित करने की घोषणा की। इस अवसर पर समाजसेवी अशोक पांड्या, पूर्व पार्षद अजय यादव, राजस्थान जैन युवा महासभा जयपुर के प्रदेश अध्यक्ष प्रदीप जैन लाला, राजस्थान जैन सभा जयपुर के उपाध्यक्ष विनोद जैन कोटखावदा, महामंत्री मनीष वैद, मुनि भक्त राजकुमार सेठी, श्री दिगम्बर जैन मुनि संघ सेवा समिति, बापूनगर के अध्यक्ष राजीव जैन (गाजियाबाद), श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र पदमपुरा के मानद मंत्री हेमंत सोगानी, मुनि भक्त प्रमोद शाह, डॉ. वंदना जैन, राजलक्ष्मी पांड्या सहित अनेक गणमान्य नागरिकों ने दिवंगत आत्मा के प्रति अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनसे जुड़े संस्मरण साझा किए। कार्यक्रम के अंत में सभी श्रद्धालुओं ने सामूहिक रूप से नौ बार णमोकार महामंत्र का जाप कर दिवंगत आत्मा को विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की।

12वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर आगरा में अर्हम ध्यान योग का विशेष आयोजन

यूथ हॉस्टल, संजय प्लेस में योग, प्राणायाम एवं ध्यान सत्र में जुटे सैकड़ों साधक

आगरा. शाबाश इंडिया

12वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर अर्हम ध्यान योग आगरा टीम द्वारा यूथ हॉस्टल, संजय प्लेस में विशेष योग एवं ध्यान सत्र का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में योग साधकों, युवाओं एवं गणमान्य नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर योग एवं स्वस्थ जीवनशैली का संदेश दिया। कार्यक्रम का शुभारंभ अर्हम ध्यान योग की विशेष साधना के साथ हुआ। प्रशिक्षक अंतरप्पाओं ने उपस्थित साधकों को योग, प्राणायाम एवं ध्यान की विभिन्न विधियों का अभ्यास कराया तथा स्वस्थ एवं संतुलित जीवन के लिए नियमित योग के महत्व पर विस्तार से जानकारी दी। इस अवसर पर अंतरप्पा ने कहा कि योग केवल शारीरिक व्यायाम नहीं, बल्कि शरीर, मन और आत्मा के समन्वय का विज्ञान है। अर्हम ध्यान योग के माध्यम से व्यक्ति तनावमुक्त होकर आत्मिक शांति एवं सकारात्मक ऊर्जा का अनुभव कर सकता है और जीवन को अधिक संतुलित एवं आनंदमय बना सकता है। कार्यक्रम के दौरान मुनि श्री प्रणम्य सागर महाराज की डिजिटल वाणी के माध्यम से ध्यान एवं स्वास्थ्य जागरूकता से जुड़े प्रेरक संदेश भी प्रसारित किए गए। प्रतिभागियों ने नियमित योगाभ्यास करने तथा समाज में योग के प्रति जागरूकता बढ़ाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उत्तरी विधानसभा क्षेत्र के विधायक पुरुषोत्तम खंडेलवाल रहे। योगाभ्यास का संचालन अंतरप्पा कु. भूमि जैन एवं सिद्धार्थ जैन ने किया। इस अवसर पर सतेंद्र जैन, ध्रुव जैन, शुभम जैन, सुचित्रा जैन, आकृति जैन, अंजना जैन, वर्षा जैन, सरिता जैन, सलोनी जैन सहित अनेक कार्यकर्ताओं एवं साधकों

ने उपस्थित रहकर कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग प्रदान किया। कार्यक्रम के अंत में सभी उपस्थितजनों का आभार व्यक्त किया गया तथा योग को दैनिक जीवन का अभिन्न अंग बनाकर स्वस्थ, संतुलित एवं सकारात्मक जीवनशैली अपनाने का संदेश दिया गया। – **रिपोर्ट : शुभम जैन**

श्योपुर के श्री चंद्रप्रभु दिगम्बर जैन मंदिर में आचार्य प्रज्ञा सागर महाराज का जयघोषों के बीच भव्य मंगल प्रवेश

श्योपुर. शाबाश इंडिया

परम पूज्य आचार्य भगवान 108 प्रज्ञा सागर महाराज का लगभग 10 वर्षों के पश्चात श्योपुर स्थित श्री चंद्रप्रभु दिगम्बर जैन मंदिर में हजारों श्रद्धालुओं एवं समाजबंधुओं की उपस्थिति में भव्य मंगल प्रवेश संपन्न हुआ। इस अवसर पर संपूर्ण क्षेत्र भक्तिमय वातावरण से सराबोर हो गया और श्रद्धालुओं ने जयघोषों के साथ आचार्यश्री का आत्मीय स्वागत एवं अभिनंदन किया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीक्षांत आकांक्षी आकांक्षा हाड़ा परिवार के सान्निध्य में दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। दीप प्रज्वलन का सौभाग्य राकेश एवं संगीता पाटनी परिवार को प्राप्त हुआ। इस अवसर पर प्रथम गुरुचरण पाद-प्रक्षालन का सौभाग्य चांदमल एवं मनोज कुमार बाकलीवाल को प्राप्त हुआ, जबकि द्वितीय पाद-प्रक्षालन ज्ञानचंद, विनोद कुमार एवं प्रतीक कुमार सेठी द्वारा संपन्न किया गया। परम पूज्य गुरुदेव को शास्त्र भेंट करने का सौभाग्य लालचंद जैन कटवाना (निवाई) परिवार को प्राप्त हुआ। राजस्थान जैन युवा महासभा दक्षिण संभाग के अध्यक्ष चेतन जैन निमोडिया ने बताया कि कार्यक्रम में गोलोक धाम चातुर्मास समिति के अध्यक्ष अनिल बनेठा, कोटा से मिथुन मित्तल, जयपुर जैन समाज के युवा गौरव मनोज सोगानी, अशोक बाकलीवाल, देवेंद्र बाकलीवाल सहित जयपुर के प्रताप नगर सेक्टर-3, 5, 8 एवं 17, वाटिका रोड, गोवर्धन नगर, चित्रकूट कॉलोनी, झोटवाड़ा एवं अन्य अनेक क्षेत्रों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। श्योपुर

जैन समाज के अध्यक्ष दिलीप पाटनी एवं महामंत्री नेमीचंद बाकलीवाल ने बताया कि आचार्य प्रज्ञा सागर महाराज का श्योपुर में एक दशक बाद हुआ यह मंगल प्रवेश ऐतिहासिक एवं अविस्मरणीय अवसर है। श्रद्धालुओं ने जयघोषों के साथ गुरुदेव का स्वागत कर धर्म प्रभावना के इस पावन अवसर का लाभ प्राप्त किया। कार्यक्रम में चंद्रप्रभु महिला मंडल की दिव्या बाकलीवाल, नेहा, श्वेता एवं सिया जैन ने नृत्य के माध्यम से भावपूर्ण मंगलाचरण प्रस्तुत कर सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम का सफल संचालन चेतन जैन निमोडिया ने किया। समारोह के अंत में श्रद्धालुओं ने आचार्यश्री के पावन सान्निध्य में धर्म, संयम एवं सदाचार के मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। अंत में महामंत्री नेमीचंद बाकलीवाल ने सभी उपस्थित श्रद्धालुओं एवं अतिथियों का आभार व्यक्त किया।

मानसरोवर स्टेडियम पार्क में उत्साहपूर्वक मनाया गया अंतरराष्ट्रीय योग दिवस

जयपुर. शाबाश इंडिया। मानसरोवर वॉकर समिति एवं दिगम्बर जैन महासमिति राजस्थान अंचल के संयुक्त तत्वावधान में रविवार, 21 जून 2026 को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर मानसरोवर स्टेडियम पार्क में सामूहिक योग कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। सुहावने मौसम, शीतल हवाओं और प्राकृतिक वातावरण के बीच बड़ी संख्या में प्रतिभागियों ने योगाभ्यास कर स्वस्थ जीवन एवं सकारात्मक सोच का संदेश दिया। महामंत्री महावीर जैन बाकलीवाल ने बताया कि कार्यक्रम में योग गुरु डॉ. नविता जैन, सुरुचि जैन एवं रिया जैन ने मधुर संगीत के साथ सरल, प्रभावी एवं प्रेरणादायक शैली में योगाभ्यास कराया। योग प्रशिक्षकों ने विभिन्न योगासन, प्राणायाम एवं ध्यान क्रियाओं का अभ्यास कराते हुए नियमित योग के शारीरिक, मानसिक एवं आध्यात्मिक लाभों की जानकारी भी दी। प्रतिभागियों ने उनके मार्गदर्शन की मुक्तकंठ से सराहना की। कार्यक्रम में दिगम्बर जैन महासमिति के राष्ट्रीय महामंत्री सुरेन्द्र जैन पांड्या, राजस्थान अंचल के अध्यक्ष अनिल जैन (आईपीएस सेवानिवृत्त), कार्याध्यक्ष डॉ. नमोकार जैन, सुनील जैन बज, पश्चिम संभाग अध्यक्ष निर्मल संघी, सुशीला जैन बड़जात्या, शैलेन्द्र जैन, महावीर जैन पाटनी, संतोष जैन, शाबाश इंडिया के संपादक राकेश गोदीका एवं समता गोदीका सहित महासमिति के अनेक पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे। मानसरोवर वॉकर समिति की ओर से जी.एस. रावत, मनोज कुमार माथुर, आर.सी. शर्मा, दौलत सिंह, मनीष सैन, गजेन्द्र सिंह, पी.एम. डिगरवाल, विनोद शर्मा, राजकुमार मीणा, सतीश शर्मा, प्रभुलाल कुमावत, अजय सक्सेना, रुक्मिणी शर्मा एवं श्रीमती जुनेजा सहित अनेक गणमान्य सदस्य कार्यक्रम में शामिल हुए।

भावपूर्ण श्रद्धांजलि

हमारे पूजनीय पिताजी

श्रीमान पदम चन्द जी कासलीवाल

का निधन दिनांक 22.06.2026 को हो गया है।

तीये की बैठक

बुधवार, दिनांक 24.06.2026
प्रातः 10 बजे
तोतुका भवन भट्टारक जी की नसिया, जयपुर
तत्पश्चात घड़ियों का दस्तूर होगा।

बिचले दिन की बैठक

मंगलवार, 23.06.2026
दोपहर 1.00 बजे से सायं 5.00 बजे तक
छतरी वाला सम्भाग भट्टारक जी की नसिया में रखी गई है।

शोकाकुल

दीपक - आभा (पुत्र - पुत्र वधु), कुशाग्र - खुशबू, आदित्य (पौत्र - पौत्र वधु)
कियांश (पड़ पौत्र), माला - अनिल बिन्दायक्या (पुत्री - दामाद),अनिरुद्ध (दोहिता)
मैना देवी, निर्मल - आशा (भाई - भाभी), विनोद-दीपिका जैन कोटखावदा,
सुधीर , संजय (भतीजे), सुमित्रा - अरुण गोधा, मुन्नी देवी (भतीजी-दामाद),
ज्ञान चन्द सोगानी (भांजा) एवं समस्त कासलीवाल परिवार

3-द-7, रतन दुगड़ मार्ग, जवाहर नगर-94144-41144

ससुराल पक्ष - समीर सोनी

स्मृति नगर में नवीन संत सदन का लोकार्पण

पूज्य मुनि श्री विमल सागर एवं अनंत सागर महाराज के सानिध्य में संपन्न हुआ समारोह

इंदौर. शाबाश इंडिया। दिगंबर जैन समाज स्मृति नगर की श्रद्धा, सेवा एवं सामूहिक समर्पण से निर्मित नवीन संत सदन का लोकार्पण समारोह पूज्य मुनि श्री विमल सागर जी महाराज एवं अनंत सागर जी महाराज के पावन सानिध्य में श्रद्धापूर्वक संपन्न हुआ। इस भवन का शिलान्यास समाधिस्थ संत आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज के करकमलों से हुआ था। दिगंबर जैन समाज सामाजिक संसद के प्रचार प्रमुख सतीश जैन ने बताया कि रविवार प्रातः 6 बजे से जाप्यानुष्ठान, श्रीजी का अभिषेक, शांतिधारा, संगीतमय पूजन एवं शांति विधान का आयोजन किया गया। इसके पश्चात अपने प्रवचन में पूज्य मुनि श्री विमल सागर जी महाराज ने कहा कि जब आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज स्मृति नगर पधारे थे, तब इसी संत सदन का शिलान्यास उनके करकमलों से हुआ था। उन्होंने कहा कि आचार्य श्री का मानना था कि मंदिर निर्माण के साथ-साथ संतों के प्रवास एवं चातुर्मास के

लिए उचित धाम का निर्माण भी आवश्यक है। उसी प्रेरणा और भावना के साथ स्मृति नगर दिगंबर जैन समाज ने संत सदन निर्माण का संकल्प लिया था, जो आज साकार हुआ है। सतीश जैन ने बताया कि नवीन संत सदन के लोकार्पणकर्ता भरत-कुसुम मोदी परिवार रहे। सहयोगी के रूप में संजय-अर्चना पाटोदी परिवार, शिखर पूंजदाता मनोज बाकलीवाल परिवार तथा महामहिम परिवार के रूप में सिंपल जी-अंकिता जी जैन परिवार ने महत्वपूर्ण योगदान दिया। स्मृति नगर जैन समाज के अध्यक्ष स्वर्ण जैन ने बताया कि परिसर में श्वेत पाषाण से निर्मित जिनालय का निर्माण कार्य भी प्रगति पर है, जिसका अवलोकन उपस्थित श्रद्धालुओं एवं अतिथियों ने किया। कार्यक्रम के विधानाचार्य बाल ब्रह्मचारी सुनील भैया जी रहे, जबकि सहयोगी के रूप में पारस जी शास्त्री ने धार्मिक अनुष्ठानों का संचालन किया। इस अवसर पर स्मृति नगर जैन समाज के उपाध्यक्ष सुनील जैन, सत्येंद्र जैन, पारस जैन, संजय जैन तथा वार्ड पार्षद श्रीमती सोनाली धारकर सहित अनेक समाजजन उपस्थित रहे और कार्यक्रम को सफल बनाने में महत्वपूर्ण सहयोग प्रदान किया। समारोह में शहरभर के समाजश्रेष्ठी, दिगंबर जैन समाज सामाजिक संसद एवं रेवती रेंज के पदाधिकारी सचिन जैन, राहुल जैन (स्पोर्ट्स), आनंद गोधा, सतीश डबडेरा, विशाल जैन, कमल अग्रवाल, अनिल रावत एवं चंद्रेश जैन सहित बड़ी संख्या में समाजबंधुओं ने सहभागिता कर संत सदन के लोकार्पण पर हर्ष व्यक्त किया।

– सतीश जैन (इला बैंक)
प्रचार प्रमुख, दिगंबर जैन समाज सामाजिक संसद, इंदौर

कोलकाता में होगा आचार्य श्री वसुनंदी जी महामुनिराज ससंघ का वर्षायोग 2026

कोलकाता. शाबाश इंडिया

जैन समाज के लिए अत्यंत हर्ष और गौरव का विषय है कि परम पूज्य आचार्य श्री 108 वसुनंदी जी महामुनिराज ससंघ का वर्षायोग (चातुर्मास) वर्ष 2026 में कोलकाता की पावन धरा पर संपन्न होगा। आचार्य श्री द्वारा वर्षायोग की स्वीकृति प्रदान किए जाने के बाद कोलकाता एवं बृहत्तर कोलकाता के जैन समाज में हर्ष और उत्साह का वातावरण व्याप्त है। प्राप्त जानकारी के अनुसार आचार्य श्री ससंघ वर्तमान में श्री महावीर दिगम्बर जैन मंदिर, चौरंगी (कोलकाता) में विराजमान हैं। रविवार को श्रद्धालुओं की भारी उपस्थिति, भक्ति-भाव, गाजे-बाजे और जयघोषों के मध्य आचार्य श्री का मंगल विहार चौरंगी मंदिर से श्री मुनिसुव्रतनाथ दिगम्बर जैन मंदिर के लिए संपन्न हुआ। इस अवसर पर आयोजित धर्मसभा में आचार्य श्री ने अपने मंगल प्रवचनों के माध्यम से कोलकाता एवं बृहत्तर कोलकाता के सकल जैन समाज को आशीर्वाद प्रदान करते हुए वर्षायोग 2026 कोलकाता में ही करने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान की। इस घोषणा के साथ ही उपस्थित श्रद्धालुओं में अपार उत्साह एवं आनंद का माहौल बन गया। श्री दिगम्बर जैन मुनिसंघ व्यवस्था समिति, कोलकाता के पदाधिकारियों ने बताया कि पावन वर्षायोग के मंगल कलश की स्थापना 2 अगस्त 2026 (रविवार) को होने की संभावना है। वर्षायोग को लेकर समाज के विभिन्न संगठन एवं श्रद्धालुजन तैयारियों में जुट गए हैं। मुनिसंघ व्यवस्था समिति के प्रमुख पदाधिकारियों में अध्यक्ष संजय काला (इस्पात), कार्याध्यक्ष सुरेश सेठी (कानकी) तथा महामंत्री सर्वेश पाटनी प्रमुख रूप से दायित्व निभा रहे हैं। आचार्य श्री के कोलकाता में वर्षायोग की घोषणा को जैन समाज ने एक ऐतिहासिक एवं पुण्यदायी अवसर बताया है। समाज के विभिन्न संगठनों एवं श्रद्धालुओं ने इस पावन चातुर्मास को धर्म, साधना, स्वाध्याय एवं आध्यात्मिक उन्नयन का अनुपम अवसर बताते हुए हर्ष व्यक्त किया है। वर्षायोग के दौरान धर्म प्रभावना, स्वाध्याय, तप, संयम एवं आध्यात्मिक गतिविधियों के माध्यम से समाज को नई दिशा एवं प्रेरणा प्राप्त होगी। श्रद्धालुओं का मानना है कि आचार्य श्री के सान्निध्य में आयोजित यह वर्षायोग कोलकाता के जैन समाज के लिए अविस्मरणीय और ऐतिहासिक अध्याय सिद्ध होगा।

— संजय जैन बड़जात्या, कामवन

स्वास्थ्य, संस्कार और सृजनशीलता का संगम: योग स्पेशल हाऊजी

महिला महासमिति की योग दिवस पर अनूठी पहल

जयपुर. शाबाश इंडिया

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में श्री दिगम्बर जैन महासमिति महिला अंचल, राजस्थान द्वारा जन-जन में स्वास्थ्य, संस्कार एवं योग के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से ऑनलाइन व्हाट्सएप माध्यम पर एक अनूठे एवं ज्ञानवर्धक ''योग स्पेशल हाऊजी'' कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। राष्ट्रीय अध्यक्ष शीला डोड्या ने बताया कि राजस्थान अंचल की महिला सदस्यों ने रचनात्मक योग-थीम आधारित हाऊजी टिकटों का निर्माण किया। इन टिकटों में योग, स्वास्थ्य एवं सकारात्मक जीवनशैली का सुंदर समावेश देखने को मिला। प्राप्त प्रविष्टियों में से सर्वश्रेष्ठ तीन टिकटों का चयन कर प्रतिभागियों को सम्मानित किया गया। राजस्थान अंचल की धार्मिक मंत्री एवं राष्ट्रीय पदाधिकारी विनीता बोहरा ने कार्यक्रम का रोचक एवं प्रभावी संचालन किया, जिससे प्रतिभागियों में पूरे समय उत्साह एवं आनंद का वातावरण बना रहा। अंचल अध्यक्ष शालिनी बाकलीवाल ने बताया कि योग के व्यापक प्रचार-प्रसार के उद्देश्य से एनजी योगा चैनल को सर्वाधिक सब्सक्राइब करवाने वाले सदस्य के लिए विशेष बम्पर पुरस्कार भी रखा गया था। कार्यक्रम की प्रायोजक एवं राजस्थान अंचल की युवा प्रकोष्ठ मंत्री तथा प्रमाणित योग प्रशिक्षक नीता गदिया ने योग के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि नियमित योगाभ्यास स्वस्थ, संतुलित एवं सकारात्मक जीवन का आधार है। उन्होंने सभी को योग को अपनी दैनिक दिनचर्या में शामिल करने का संदेश दिया। हाऊजी की विभिन्न पुरस्कार श्रेणियों को भी योग से जोड़ते हुए उन्हें अनुलोम-विलोम, भ्रामरी, उज्जायी, शीतली, भस्त्रिका एवं कपालभाति प्राणायाम के नाम दिए गए। वहीं विशेष पुरस्कारों को 'अर्हम योग', 'भावना योग' एवं 'इंटरनेशनल योगा डे' शीर्षकों से सम्मानित किया गया। इस अभिनव आयोजन ने मनोरंजन के साथ-साथ योग एवं स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता का प्रभावी संदेश दिया। प्रतिभागियों ने कार्यक्रम की भूरि-भूरि प्रशंसा करते हुए इसे योग को जन-जन तक पहुंचाने की दिशा में एक प्रेरणादायी एवं सराहनीय पहल बताया। कार्यक्रम के माध्यम से यह संदेश दिया गया कि योग केवल एक दिन का आयोजन नहीं, बल्कि स्वस्थ, संतुलित और सुखमय जीवन की आधारशिला है।

मदुरै में तेरापंथ महिला मंडल का भव्य "श्री उत्सव" संपन्न

महिला प्रतिभाओं को मिला सशक्त मंच

मदुरै. शाबाश इंडिया

तेरापंथ महिला मंडल, मदुरै के तत्वावधान में स्थानीय तेरापंथ भवन में आयोजित ''श्री उत्सव'' का भव्य एवं उत्साहपूर्ण आयोजन संपन्न हुआ। महिला सशक्तिकरण, आत्मनिर्भरता एवं रचनात्मक प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से आयोजित इस कार्यक्रम में समाज की महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ नमस्कार महामंत्र के सामूहिक उच्चारण के साथ हुआ। मुख्य अतिथि सुरेश गुप्ता एवं दिनेश सालेचा ने फीता काटकर उत्सव का उद्घाटन किया। इसके पश्चात महिला मंडल की बहनों ने प्रेरणादायी गीत प्रस्तुत कर वातावरण को आध्यात्मिक एवं उल्लासपूर्ण बना दिया। महिला मंडल की अध्यक्षा दीपिका फुलफागर ने स्वागत भाषण देते हुए मंडल की विभिन्न गतिविधियों एवं 'श्री उत्सव' के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला। तेरापंथ सभा के अध्यक्ष गौतम गुलेच्छा एवं मंत्री अभिनंदन बागरेचा ने अतिथियों का शॉल ओढ़ाकर सम्मान किया। मुख्य अतिथि सुरेश गुप्ता ने अपने संबोधन में कहा कि यह आयोजन महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने तथा उनके कौशल को समाज के समक्ष प्रस्तुत करने का उत्कृष्ट मंच है। वहीं आईजा प्रदेशाध्यक्ष दिनेश सालेचा ने सभी प्रतिभागियों को शुभकामनाएं देते हुए महिलाओं की सामाजिक एवं सांस्कृतिक भूमिका को और अधिक सशक्त बनाने का आह्वान किया। उत्सव में शॉपिंग, स्वादिष्ट व्यंजन एवं मनोरंजक गेम्स सहित कुल 44 स्टॉल लगाए गए, जिनमें महिलाओं की रचनात्मकता, उद्यमशीलता एवं आत्मनिर्भरता की झलक देखने को मिली। कार्यक्रम में 400 से अधिक सदस्यों की उत्साहपूर्ण उपस्थिति रही। आगंतुकों ने विभिन्न स्टॉलों का आनंद लेते हुए महिला मंडल की इस अभिनव पहल की सराहना की। विशेष आकर्षण के रूप में फादर्स डे के अवसर पर 'लकी फादर एंड चाइल्ड' प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें विजेताओं को आकर्षक उपहार प्रदान किए गए। बच्चों एवं अभिभावकों की सहभागिता ने कार्यक्रम में पारिवारिक सौहार्द का सुंदर वातावरण निर्मित किया। इस अवसर पर समाज की अनेक महिलाओं ने अपने हस्तनिर्मित उत्पादों, पाक-कला एवं व्यावसायिक कौशल का प्रदर्शन कर आत्मनिर्भर भारत की भावना को साकार किया। कार्यक्रम ने यह संदेश दिया कि अवसर मिलने पर महिलाएं प्रत्येक क्षेत्र में उत्कृष्ट उपलब्धियां हासिल कर सकती हैं। उपस्थित जनों ने आयोजन को अत्यंत सफल बताते हुए महिला मंडल के प्रयासों की मुक्तकंठ से सराहना की तथा इसे समाज में सकारात्मक परिवर्तन की दिशा में एक प्रेरणादायी पहल बताया। अंत में मंत्री मधु पारख ने सभी अतिथियों, सहयोगकर्ताओं एवं उपस्थित जनों का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम सौहार्द, उत्साह और सामाजिक एकता के वातावरण में संपन्न हुआ।

जेएलएन अस्पताल में डॉ. शिवकुमार बुनकर की सर्जरी यूनिट की सराहनीय पहल

मरीजों की सुविधा के लिए सर्जरी यूनिट-3 ने भेंट किया एयर कंडीशनर

अजमेर. शाबाश इंडिया। जवाहरलाल नेहरू (जेएलएन) अस्पताल की सर्जरी यूनिट-3 ने मरीजों की सुविधा एवं बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं के प्रति अपनी प्रतिबद्धता का परिचय देते हुए वार्ड के लिए डेढ़ टन क्षमता का एयर कंडीशनर (एसी) भेंट किया है। यूनिट हेड डॉ. शिवकुमार बुनकर के मार्गदर्शन में सर्जरी यूनिट-3 के चिकित्सकों एवं रेजिडेंट्स के सहयोग से यह एसी वार्ड में स्थापित किया गया। इससे विशेष रूप से गर्मी के मौसम में भर्ती मरीजों को राहत मिलेगी तथा उन्हें अधिक आरामदायक एवं अनुकूल वातावरण उपलब्ध हो सकेगा। इस पहल का उद्देश्य मरीजों के उपचार एवं स्वास्थ्य लाभ की प्रक्रिया को और अधिक प्रभावी बनाना है। चिकित्सा महाविद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ. अनिल सामरिया ने इस जनहितकारी पहल की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार के प्रयास न केवल मरीजों की सुविधाओं में वृद्धि करते हैं, बल्कि चिकित्सा सेवा के मानवीय पक्ष को भी सशक्त बनाते हैं। उन्होंने समाज के विभिन्न वर्गों एवं भामाशाहों से अस्पताल की सुविधाओं के विस्तार में सहयोग देने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि विभिन्न संस्थाएं अस्पताल के वार्डों को गोद लेकर भी महत्वपूर्ण योगदान दे सकती हैं। अस्पताल अधीक्षक डॉ. अरविंद खरे ने इस पहल का स्वागत करते हुए एसी उपलब्ध कराने वाले रेजिडेंट चिकित्सकों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने आशा जताई कि अन्य रेजिडेंट चिकित्सक भी इससे प्रेरणा लेकर अस्पताल के विकास एवं मरीजों की सुविधाओं में अपना योगदान देंगे।

विश्व योग दिवस पर रिद्धि सिद्धि मंडल, सांगानेर का भव्य योग शिविर संपन्न

जयपुर.शाबाश इंडिया

''पहला सुख निरोगी काया'' के संदेश के साथ विश्व योग दिवस के अवसर पर रिद्धि सिद्धि मंडल, सांगानेर द्वारा श्रीराम पार्क, शांतिनगर, दुर्गापुरा में प्रातःकाल भव्य योग शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में मंडल के पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं, विकास समिति के सदस्यों, महिलाओं, युवाओं एवं क्षेत्रवासियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर योगाभ्यास किया। योग शिक्षिका श्रीमती सारिका अग्रवाल ने प्रतिभागियों को विभिन्न योगासन, प्राणायाम एवं ध्यान की विधियों का अभ्यास कराया। उन्होंने कहा कि नियमित योगाभ्यास स्वस्थ, निरोगी एवं तनावमुक्त जीवन का आधार है तथा इसे प्रत्येक व्यक्ति को अपनी दैनिक दिनचर्या का हिस्सा बनाना चाहिए। कार्यक्रम की अध्यक्षता मंडल अध्यक्ष दीपा नाथावत ने की। उन्होंने कहा कि योग भारत की प्राचीन एवं अमूल्य धरोहर है, जो शरीर, मन और आत्मा के संतुलन का सर्वोत्तम माध्यम है। विश्व योग दिवस जैसे आयोजन समाज में स्वास्थ्य के प्रति

जागरूकता बढ़ाने और स्वस्थ जीवनशैली को प्रोत्साहित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। योग शिविर में राजपूत सभा के महामंत्री धीरसिंह शेखावत, शांतिनगर विकास समिति के अध्यक्ष अर्जुन सिंह खंगारोत एवं सचिव मुकुट सुरोलिया भी विशेष रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम का सफल संचालन एवं समन्वय कार्यक्रम संयोजक हेम सिंह शेखावत (त्रिलोकपुरा) तथा सह-संयोजक अनुराग तिवाड़ी एवं ताराचंद सैनी के नेतृत्व में संपन्न हुआ। रिद्धि सिद्धि मंडल के सभी पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं एवं शांतिनगर विकास समिति की कार्यकारिणी ने आयोजन को सफल बनाने में सक्रिय सहयोग प्रदान किया। कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागियों ने नियमित योग करने तथा स्वस्थ एवं सकारात्मक जीवनशैली अपनाने का संकल्प लिया। **– हेम सिंह शेखावतः कार्यक्रम संयोजक**

छावनी परिषद की ओर से उत्साहपूर्वक मनाया गया अंतरराष्ट्रीय योग दिवस

नसीराबाद. शाबाश इंडिया। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर नसीराबाद छावनी परिषद द्वारा सरदार वल्लभभाई पटेल उद्यान में सामूहिक योग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में शहर के बुजुर्गों, महिलाओं, युवाओं एवं बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर योगाभ्यास किया और स्वस्थ जीवनशैली का संदेश दिया। कार्यक्रम में छावनी परिषद के मुख्य अधिशासी अधिकारी साकिब आलम ने भी आमजन के साथ योगाभ्यास किया तथा नियमित योग को स्वस्थ, संतुलित एवं तनावमुक्त जीवन के लिए आवश्यक बताया। योग गुरु सर्वेश्वर पारीक के निर्देशन में उपस्थित प्रतिभागियों को विभिन्न योगासन, प्राणायाम एवं ध्यान क्रियाओं का अभ्यास कराया गया। योग शिविर में बड़ी संख्या में महिलाओं, बच्चों, बुजुर्गों एवं युवाओं ने भाग लेकर योग के प्रति जागरूकता का परिचय दिया। इस दौरान प्रतिभागियों को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने, नियमित योग करने तथा शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाए रखने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम के समापन पर मुख्य अधिशासी अधिकारी साकिब आलम द्वारा योग गुरु सर्वेश्वर पारीक को प्रशस्ति-पत्र एवं पौधा भेंट कर सम्मानित किया गया। वहीं मनोनीत सदस्य सुशील गदिया ने एम.एच. ब्रिगेडियर आर.के. यादव का पौधा भेंट कर स्वागत किया। इस अवसर पर मुख्य अधिशासी अधिकारी साकिब आलम के पिता एवं उनकी पत्नी का भी पौधा भेंट कर सम्मान एवं अभिनंदन किया गया। कार्यक्रम में छावनी परिषद के अधिकारी, कर्मचारी एवं अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। सभी ने योग को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने तथा स्वस्थ समाज के निर्माण में योगदान देने का संकल्प लिया।

निःशुल्क चिकित्सा परामर्श एवं स्वास्थ्य जांच शिविर का सफल आयोजन

जयपुर.शाबाश इंडिया। ह्यूमन ग्लोरी फाउंडेशन ट्रस्ट (रजि.) एवं राजस्थान हॉस्पिटल के संयुक्त तत्वावधान में 21 जून 2026 को पार्श्वनाथ भवन, नाटानियों का रास्ता, चौड़ा रास्ता, जयपुर में निःशुल्क चिकित्सा परामर्श एवं स्वास्थ्य जांच शिविर का सफल आयोजन किया गया। शिविर में बड़ी संख्या में नागरिकों ने भाग लेकर स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाया। विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा स्वास्थ्य परीक्षण कर आवश्यक परामर्श प्रदान किया गया। शिविर में ब्लड शुगर, रक्तचाप (बीपी), ईसीजी, हीमोग्लोबिन (एचबी) एवं लिपिड प्रोफाइल सहित विभिन्न जांचें निःशुल्क की गईं। एएसजी हॉस्पिटल की ओर से डॉ. रीना शर्मा एवं मुकेश शर्मा के सहयोग से नेत्र रोग जांच एवं परामर्श सेवाएं उपलब्ध कराई गईं। वहीं वरिष्ठ स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. वीणा आचार्य ने महिलाओं को स्वास्थ्य संबंधी महत्वपूर्ण परामर्श प्रदान किए। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अंकित कुमार एवं विशिष्ट अतिथि विकास छाबड़ा ने शिविर का अवलोकन कर इस जनसेवा कार्य की सराहना की तथा आयोजकों को बधाई दी। प्रमोद जैन भंवर ने बताया कि संस्था का उद्देश्य समाज के प्रत्येक वर्ग तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाना तथा जनकल्याण के माध्यम से स्वस्थ एवं जागरूक समाज का निर्माण करना है। उन्होंने कहा कि भविष्य में भी ऐसे सेवा एवं स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम नियमित रूप से आयोजित किए जाएंगे। संस्था की कोषाध्यक्ष मनीषा जैन 'कुसुम' ने बताया कि कार्यक्रम के संयोजक सुलोचना चाँदवाड़ एवं नितिन चाँदवाड़ रहे। शिविर के सफल आयोजन में देवप्रकाश खंडाका, सतीश खंडाका, अशोक जैन, सुनीता जैन, पूजा जैन, कृष्ण भारद्वाज, रमा जैन, माधुरी जैन, रजत खिंदुका, कुसुम खिंदुका तथा राजस्थान हॉस्पिटल के मार्केटिंग हेड सुमित शर्मा सहित अनेक कार्यकर्ताओं एवं समाजसेवियों का विशेष योगदान रहा।

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप नवकार द्वारा भव्य पूल पार्टी का आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप नवकार द्वारा 21 जून 2026 को जगतपुरा स्थित मौजा री ढाणी में भव्य पूल पार्टी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम दोपहर 1 बजे से रात्रि 9:30 बजे तक उत्साह, मनोरंजन और पारिवारिक सौहार्द के वातावरण में संपन्न हुआ। ग्रुप अध्यक्ष मोहनलाल गंगवाल ने बताया कि दोपहर के नाश्ते के बाद सदस्यों ने पूल पार्टी का भरपूर आनंद लिया। इस दौरान रेन डांस, स्लाइडिंग, स्विमिंग एवं वेव फोम डांस जैसी गतिविधियां आकर्षण का केंद्र रहीं, जिनमें सभी सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। सायंकाल भोजन के पश्चात ग्रुप की बैठक का शुभारंभ मंगलाचरण के साथ किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि श्रीमती प्रेमलता पाटनी रहीं, जबकि दीप प्रज्वलन श्रीमती स्नेहलता द्वारा किया गया। इस अवसर पर फेडरेशन रीजन जयपुर के अध्यक्ष सुनील कुमार बज, निवर्तमान अध्यक्ष राजेश बड़जात्या एवं सीमा बड़जात्या तथा शाबाश इंडिया के संपादक राकेश गोदिका एवं समता गोदिका की गरिमामयी उपस्थिति रही। ग्रुप की ओर से सभी अतिथियों का सम्मान किया गया। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती शशी सेन जैन ने प्रभावी एवं आकर्षक ढंग से किया। मनोरंजन के लिए रोचक हाउजी का आयोजन किया गया तथा लकी ड्रॉ के माध्यम से सात सदस्यों को आकर्षक उपहार प्रदान किए गए। कार्यक्रम के अंत में सभी सदस्यों को आइसक्रीम वितरित की गई। उपस्थित सदस्यों ने आयोजन का भरपूर आनंद लेते हुए इसकी उत्कृष्ट व्यवस्थाओं की सराहना की। अंत में ग्रुप के सचिव विजय कुमार पांड्या एवं कार्याध्यक्ष सुरेश जैन बांदीकुई ने सभी सदस्यों एवं अतिथियों का आभार व्यक्त किया।

दिगंबर जैन सोशल ग्रुप सम्यक एवं नारायणा हॉस्पिटल के संयुक्त तत्वावधान में हेल्थ टॉक शो आयोजित

जयपुर.शाबाश इंडिया

दिगंबर जैन सोशल ग्रुप सम्यक एवं नारायणा हॉस्पिटल, जयपुर के संयुक्त तत्वावधान में होटल सरोवर प्रीमियर में हेल्थ टॉक शो का आयोजन किया गया। ग्रुप के सचिव नवल जैन ने बताया कि कार्यक्रम का शुभारंभ भक्तामर स्तोत्र के 26वें श्लोक के पाठ एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। होटल सरोवर प्रीमियर के सभागार में आयोजित इस स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम में नारायणा हॉस्पिटल के वरिष्ठ विशेषज्ञ चिकित्सकों ने स्वास्थ्य संबंधी महत्वपूर्ण जानकारियां साझा कीं। कार्यक्रम में श्वसन रोग विशेषज्ञ डॉ. हर्षिल अलवानी एवं हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. दीपक अग्रवाल ने उपस्थित जनसमूह को श्वसन एवं हृदय रोगों की रोकथाम, उपचार तथा स्वस्थ जीवनशैली के संबंध में विस्तार से जानकारी दी। इसके पश्चात श्रोताओं द्वारा पूछे गए विभिन्न स्वास्थ्य संबंधी प्रश्नों का विशेषज्ञ चिकित्सकों ने समाधान किया। कार्यक्रम में नारायणा हॉस्पिटल जयपुर एवं मुंबई के डायरेक्टर बलविंदर सिंह वालिया, मार्केटिंग हेड विकास शर्मा तथा मार्केटिंग एग्जीक्यूटिव प्रवीण चौधरी विशेष रूप से उपस्थित रहे। बलविंदर सिंह वालिया ने अपने संबोधन में नारायणा हॉस्पिटल द्वारा संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी, वहीं विकास शर्मा ने ऐसे स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रमों की सराहना की। समारोह में दिगंबर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन के अतिरिक्त महासचिव एवं जयपुर रीजन के पूर्व अध्यक्ष राजेश बड़जात्या, जयपुर रीजन अध्यक्ष सुनील बज, सचिव नीरज जैन तथा ''शाबाश इंडिया'' के प्रधान संपादक राकेश गोदिका की गरिमामयी उपस्थिति रही। अखिल भारतीय श्रीमाल जैन जागृति संस्था की मुख्य कार्यकारिणी, महिला मंडल एवं युवा मंडल के पदाधिकारी एवं सदस्य भी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। संस्था के अध्यक्ष अजय कुमार जैन, संरक्षक जिनेंद्र कुमार जैन, सचिव डॉ. इंद्र कुमार जैन, कोषाध्यक्ष नवल जैन सहित अनेक पदाधिकारियों ने कार्यक्रम में सहभागिता की। इस अवसर पर दिगंबर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन के राष्ट्रीय अधिवेशन में ''श्रेष्ठ सचिव'' का सम्मान प्राप्त करने वाले नवल जैन का रीजन पदाधिकारियों द्वारा अभिनंदन किया गया। साथ ही ''बेस्ट मनोरंजन एवं धार्मिक कार्यक्रम'' का पुरस्कार सम्यक ग्रुप को प्रदान किया गया। स्वर संधि अंताक्षरी प्रतियोगिता में भाग लेने वाली टीम अशोक जैन एवं अंजू अजमेरा का भी सम्मान किया गया। अखिल भारतीय श्रीमाल जैन जागृति संस्था के महिला मंडल एवं युवा मंडल के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को जयपुर रीजन अध्यक्ष सुनील बज द्वारा शपथ दिलाई गई। कार्यक्रम में सम्यक ग्रुप के अध्यक्ष डॉ. इंद्र कुमार जैन, सचिव नवल जैन, कोषाध्यक्ष मुकेश शाह, संरक्षक महावीर बिंदायका, संस्थापक अध्यक्ष महावीर बोहरा, संगठन सचिव सुनील ठोलिया, आयोजना सचिव महेश काला सहित अनेक गणमान्यजन उपस्थित रहे। अंत में सम्यक ग्रुप के अध्यक्ष डॉ. इंद्र कुमार जैन ने सभी अतिथियों, चिकित्सकों एवं उपस्थित जनों का आभार व्यक्त किया।

भगवान तुल्य महान विभूतियों के आदर्शों को जीवन में उतारने का लें संकल्प : युवाचार्य महेन्द्र ऋषिजी

अम्बेश गुरु जन्मजयंती एवं गुरुणी यशकंवरजी दीक्षा जयंती पर यश विहार में उमड़ा श्रद्धा और गुरुभक्ति का जनसैलाब

भीलवाड़ा. शाबाश इंडिया

मेवाड़ संघ शिरोमणि प्रवर्तक अम्बालालजी महाराज की जन्मजयंती एवं गुरुणी यशकंवरजी महाराज की दीक्षा जयंती का पावन महोत्सव यश विहार में श्रद्धा, आराधना एवं संकल्पों के साथ मनाया गया। कार्यक्रम श्रमणसंघीय युवाचार्य महेन्द्र ऋषिजी महाराज, हितमित भाषी हितेन्द्र ऋषिजी महाराज, रविन्द्र मुनिजी, विदुषी ज्ञानकंवरजी, महासती मधुकंवरजी, साध्वी मणिप्रभा, उपप्रवर्तिनी दिव्यज्योति, व्याख्यानी सुजेताजी एवं साध्वी पियूषदर्शनाजी आदि ठाणा के सान्निध्य में संपन्न हुआ। विशाल धर्मसभा को संबोधित करते हुए युवाचार्य महेन्द्र ऋषिजी महाराज ने कहा कि मेवाड़ अपनी महान विभूतियों को केवल स्मरण नहीं करता, बल्कि उन्हें भगवान स्वरूप मानकर उनके आदर्शों को जीवन में उतारने का प्रयास करता है। उन्होंने कहा कि मेवाड़ की पहचान केवल इतिहास या परंपरा से नहीं, बल्कि उन महान आत्माओं से है जिन्होंने अपने तप, त्याग और साधना से समाज को दिशा प्रदान की। युवाचार्यश्री ने कहा कि प्रवर्तक अम्बालालजी महाराज एवं गुरुणी यशकंवरजी महाराज का संपूर्ण जीवन त्याग, तप, साधना, करुणा और समर्पण की अनुपम गाथा है। उनके द्वारा स्थापित संस्कारों, अनुशासन और धर्मनिष्ठा ने मेवाड़ ही नहीं, बल्कि देशभर में एक विशिष्ट पहचान बनाई है। आज भी उनके जीवन से असंख्य श्रद्धालु प्रेरणा प्राप्त कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि गुरुणी यशकंवरजी महाराज का जीवन संकल्प शक्ति, संयम और समर्पण की महान साधना था। उनका व्यक्तित्व दया, करुणा, सेवा और आध्यात्मिक चेतना का उज्ज्वल प्रतीक रहा। उन्होंने श्रद्धालुओं से आह्वान किया कि वे इन महान विभूतियों के आदर्शों को अपने जीवन में अपनाकर अहिंसा, सदाचार, संयम और धर्म के मूल्यों को स्थापित करें। युवाचार्यश्री ने कहा कि महान विभूतियों का स्मरण तभी सार्थक होता है, जब उनके आदर्श हमारे व्यवहार में उतरें। दया, करुणा, संस्कार और धर्म को जीवन में स्थान देना ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि है।

नाटकवाला कला मंच द्वारा आमेर में "एक चोर की आत्मकथा" का प्रभावशाली मंचन

आमेर. शाबाश इंडिया

विश्व योग दिवस के अवसर पर श्री दिगम्बर जैन मंदिर कीर्ति स्तंभ नसियां सभागार, आमेर में लहर डांस ग्रुप की समर हॉबी क्लासेज के समापन समारोह के तहत नाटकवाला कला मंच, आमेर द्वारा व्यंग्य नाटक ''एक चोर की आत्मकथा'' का प्रभावशाली मंचन किया गया। नाटक का निर्देशन नाटकवाला कला मंच के निदेशक ओमप्रकाश सैनी ने किया। प्रसिद्ध रंगलेखक विमल कुमार द्वारा लिखित एवं दिलीप गुप्ता द्वारा नाट्य रूपांतरित इस एक घंटा बीस मिनट की प्रस्तुति ने समाज, राजनीति, भ्रष्टाचार और पाखंड पर तीखा व्यंग्य प्रस्तुत किया। नाटक का मूल संदेश था कि समाज का प्रत्येक व्यक्ति किसी न किसी रूप में चोरी की प्रवृत्ति से जुड़ा हुआ है तथा ईमानदारी का मुखौटा पहनकर अनेक प्रकार की सामाजिक, नैतिक एवं वैचारिक चोरियां आज सामान्य होती जा रही हैं। नाटक की कहानी एक ऐसे व्यक्ति के इर्द-गिर्द घूमती है, जो चोर नहीं बनना

चाहता, बल्कि एक अच्छा इंसान बनकर जीवन जीने की इच्छा रखता है। किंतु परिस्थितियां उसे चोरी की दुनिया में धकेल देती हैं और संघर्ष करते-करते वह सत्ता के शिखर तक पहुंच जाता है। कहानी के माध्यम से व्यवस्था, सत्ता, चुनाव, नैतिक पतन और सामाजिक विसंगतियों पर प्रभावशाली कटाक्ष किया गया। यह प्रस्तुति नाटकवाला कला मंच द्वारा आयोजित 11 दिवसीय अभिनय एवं रंगमंच कार्यशाला ''नाटकवाला अभिनयशाला'' का समापन मंचन थी। 10 जून से 21 जून तक जवाहर कला केंद्र के मुक्ताकाशी रंगमंच पर आयोजित इस कार्यशाला में नए एवं युवा कलाकारों को अभिनय, संवाद अदायगी, चरित्र निर्माण एवं नाट्य निर्माण प्रक्रिया का प्रशिक्षण दिया गया। निर्देशक ओमप्रकाश सैनी ने बताया कि नियमित अभ्यास, अनुशासन, समर्पण और सामूहिक प्रयास से कम समय में भी प्रभावशाली नाट्य प्रस्तुतियां तैयार की जा सकती हैं। उन्होंने कहा कि नाटकवाला कला मंच की ''घर-घर रंगमंच-हर दर रंगमंच'' मुहिम का उद्देश्य नए कलाकारों को मंच प्रदान करना तथा रंगमंच को जन-जन तक पहुंचाना है। नाटक में निमिष दाधीच, मानवेन्द्र सिंह, सिमरन महावर, आरोही टिंकर एवं ओमप्रकाश सैनी ने प्रमुख भूमिकाएं निभाईं। मंच सहयोग में महेंद्र टिंकर, अवनी सैनी एवं युग सैनी का महत्वपूर्ण योगदान रहा। कार्यक्रम को सफल बनाने में लहर डांस ग्रुप के सत्यनारायण सैनी का विशेष सहयोग रहा। समापन अवसर पर कलाकारों को स्मृति-चिह्न एवं प्रमाण-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में भाजपा किसान युवा मोर्चा आमेर अध्यक्ष विश्वास सैनी, गुरु सुमेर सिंह एवं जगदीश बागड़ी सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। नाटकवाला कला मंच, आमेर ने सभी विद्यालयों, महाविद्यालयों, सामाजिक संस्थाओं एवं सांस्कृतिक संगठनों से ''घर-घर रंगमंच-हर दर रंगमंच'' अभियान से जुड़ने तथा समाज में जागरूकता एवं सकारात्मक परिवर्तन के लिए नाट्य मंचन को प्रोत्साहित करने की अपील की।

खेल के साथ स्वास्थ्य का संदेश

लेकसिटी वेटरन्स बास्केटबॉल क्लब का प्रशिक्षण शिविर संपन्न

तीन माह तक चला प्रशिक्षण, ओजस्वी खत्री बनीं बेस्ट कैंपर, विजेता खिलाड़ियों का हुआ सम्मान

उदयपुर. शाबाश इंडिया। 40+ लेकसिटी वेटरन्स बास्केटबॉल क्लब के तत्वावधान में नवोदित खिलाड़ियों को खेलों के प्रति जागरूक करने तथा स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के उद्देश्य से पिछले तीन माह से संचालित बास्केटबॉल प्रशिक्षण शिविर का समापन पुलिस लाइन मैदान पर समारोहपूर्वक हुआ। राष्ट्रीय स्तर के वरिष्ठ प्रशिक्षक दलजीत महावर के मार्गदर्शन में आयोजित इस शिविर में 35 छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को बास्केटबॉल की प्रारंभिक तकनीकों के साथ शारीरिक फिटनेस, संतुलित आहार, स्टैमिना विकास, टीम भावना तथा मैच अभ्यास की विस्तृत जानकारी दी गई। शिविर का उद्देश्य केवल खेल कौशल विकसित करना ही नहीं, बल्कि युवाओं में अनुशासन, आत्मविश्वास और स्वस्थ जीवन के प्रति जागरूकता बढ़ाना भी रहा। समापन समारोह में क्लब के वरिष्ठ सदस्यों की उपस्थिति में सभी प्रशिक्षणार्थियों को टी-शर्ट प्रदान कर उनका उत्साहवर्धन किया गया। शिविर में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए ओजस्वी खत्री (परी) को ''बेस्ट कैंपर ट्रॉफी'' से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर क्लब द्वारा हाल ही में आयोजित महाराणा प्रताप कप बास्केटबॉल प्रतियोगिता के विजेता दल चेतक तथा उपविजेता टीम मेवाड़ को विशेष ट्रॉफियां प्रदान की गईं। वहीं प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन के लिए वरिष्ठ खिलाड़ी कमल भटनागर को ''प्लेयर ऑफ द सीरीज'' ट्रॉफी से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के अंत में क्लब के वरिष्ठ सदस्य घनश्याम मेनारिया ने खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों तथा आयोजन को सफल बनाने में सहयोग देने वाले सभी सदस्यों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने युवाओं से खेलों से निरंतर जुड़े रहने और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का आह्वान किया। **रिपोर्ट/फोटो : हर्षद मेनारिया**

पद्मावती पब्लिक स्कूल में फादर्स डे हर्षोल्लास के साथ मनाया गया

जयपुर. शाबाश इंडिया। पद्मावती पब्लिक स्कूल में फादर्स डे के अवसर पर ऑनलाइन सेलिब्रेशन का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने अपने पिताओं के साथ तस्वीरें साझा कर इस विशेष दिन को यादगार बनाया तथा उनके प्रति प्रेम, सम्मान और कृतज्ञता व्यक्त की। कार्यक्रम के दौरान बच्चों ने अपने पिता को जीवन का पहला शिक्षक, मार्गदर्शक एवं प्रेरणास्रोत बताते हुए उनके योगदान के प्रति आभार प्रकट किया। विद्यार्थियों ने विभिन्न रचनात्मक गतिविधियों के माध्यम से अपने भाव व्यक्त किए और पिता-पुत्र/पुत्री के स्नेहपूर्ण संबंधों को उजागर किया। विद्यालय की प्रधानाचार्या ने अपने संदेश में कहा कि पिता परिवार की शक्ति और बच्चों के जीवन की मजबूत नींव होते हैं। उनके मार्गदर्शन, त्याग और समर्पण से बच्चों का व्यक्तित्व निखरता है तथा वे जीवन में सफलता की ओर अग्रसर होते हैं। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के आयोजन बच्चों में पारिवारिक मूल्यों, प्रेम, सम्मान और कृतज्ञता की भावना को विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। साथ ही यह बच्चों को अपने अभिभावकों के प्रति सम्मान और संवेदनशीलता का भाव सिखाते हैं। इस अवसर पर विद्यालय परिवार ने सभी पिताओं को फादर्स डे की हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए उनके प्रेम, त्याग, समर्पण एवं परिवार के प्रति योगदान को नमन किया।

— पद्मावती पब्लिक स्कूल, जयपुर